ISSN 2349-6614

अक्टूबर 2023

मूल्य 50 रु

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

जनता का हाथ गहलोत के साथ

जयपुर का नया ट्यूरिस्ट डेस्टिनेशन

खोले के हनुमान जी में

रोप वे

विशेषताएँ

- हवाई यात्रा का अनुभव
- माता वैष्णो देवी मन्दिर दर्शन
- सेल्फी पाइंट
- सन सेट पाइंट
- रोप वे केबिन से जयपुर का विहंगम दृश्य
- जयपुर शहर के मध्य स्थित
- प्रातः 8 बजे से रात्रि 8 बजे तक

A UNIT OF ROK INNOVATION PVT. LTD.

8279077556

8279077557

अक्टूबर 2023 वर्ष 21 अंक 06

प्रत्यूष

मूल्य 50 रू
वार्षिक 600 रू

'प्रत्यूष' के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी

सम्पादक रेणु शर्मा

विपणन प्रबंधक नितेश कुमार, नंदकिशोर मदन, भूमिका, उषा चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी
कुलदीप इंदौरा, कृष्णकुमार हरितवाल
धीरज गुर्जर, अभय जैन
लालसिंह झाला, ओम शर्मा
अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमंत भागवानी, डॉ. राव कल्याणसिंह
अशोक तम्बोली, सुंदरदेवी सालवी

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
''रक्षाबंधन'', धानमण्डी, उदयपुर-313 001

नवरात्रि एवं विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं

अंदर के पृष्ठों पर...

अंतरिक्ष विज्ञान

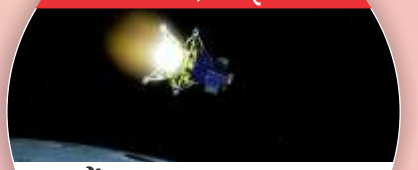

क्यों रहा नाकाम रूस का का चन्द्र अभियान?
पेज 08

पितृ पक्ष

श्राद्ध कर्म से तृप्त पितृ देते हैं आशीर्वाद
पेज 12

राष्ट्र गौरव

सादगी और नैतिकता के पर्याय थे शास्त्रीजी
पेज 18

सत्यमेव जयते

सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा
पेज 21

शरद पूर्णिमा विशेष

रास में गोपी बन गए महादेव
पेज 36

कार्यालय पता : 2, 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष एवं फैक्सः 0294-2427703 वाट्सएप 9414077697
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
Email:pankajkumarsharma2013@gmail.com, Visit us at: www.pratyushpatrika.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोनाइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. एम.आई.ए., उदयपुर से मुद्रित तथा 'रक्षाबन्धन' धानमण्डी उदयपुर से प्रकाशित।

Thakur Devraj Singh Jagat

Kunwar Akshayraj Singh Jagat

JAGAT NIWAS PALACE

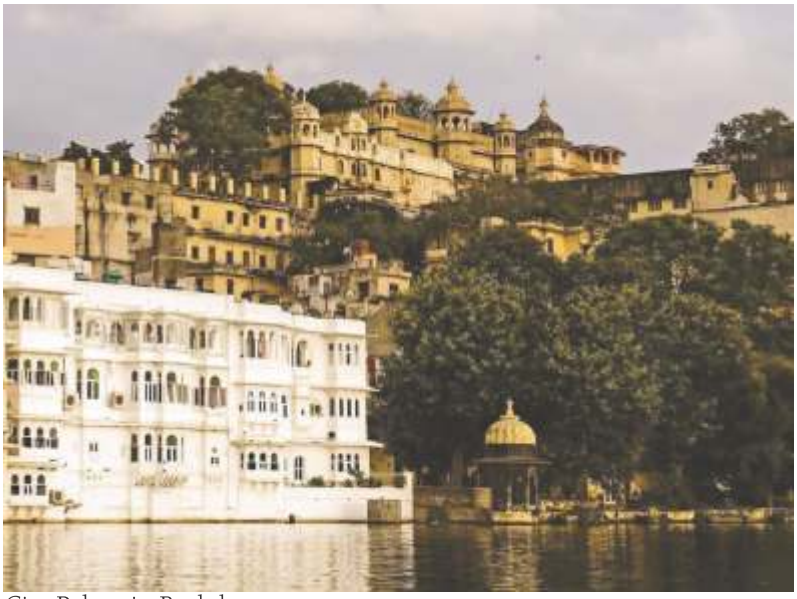

City Palace in Backdrop

Inner Facade

Inner Facade

Standard Rooms | Haveli Rooms | Heritage Rooms | Jagat Suite | Presidential Suite
Rooftop Restaurant | Live Puppet Show | Live Traditional Music | Jagat Boats

23-25 Lalghat, Udaipur, Rajasthan 313001
Tel. No. :+91-0294-2422860, 2420133 Mob.: +91-7073000378
Email Id.: mail@jagatniwaspalace.com website: www.jagatcollection.com

दबोचे जाएं आस्तीन के सांप

अनंतनाग में सेना के दो अधिकारियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस के एक डीएसपी की शहादत को लेकर देशभर में गम और गुस्से का माहौल है। देशभर में इन वीरों को श्रद्धांजलि देने का क्रम जारी है। केन्द्र सरकार के वे सारे दावे खोखले साबित हो रहे हैं, जिनमें घाटी में आतंकवाद पर नकेल लगने की बातें कही जा रही हैं। जिस तरह से थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद आतंकी हमले हो रहे हैं सुरक्षा बलों के जवान मारे जा रहे हैं, जिससे स्वाभाविक रूप से देश की जनता का सरकार से यह सवाल पूछना लाजमी है कि आखिर यह सिलसिला कब थमेगा ? कब टूटेगी इनकी कमर ?

घाटी में पाकिस्तान प्रायोजित आतंक और उसके सरगनाओं के खात्मे के इरादे से पिछले एक दशक से सघन अभियान चलाया जा रहा है। इन्हें आर्थिक मदद करने वालों की पहचान और उन पर नकेल के दावे किये जाते रहे हैं, लेकिन जिस तरह की हरकतें फिर शुरू हुई हैं, उससे नहीं लगता कि पाकिस्तान अपनी करतूत से बाज आने वाला है और न ही आस्तीन के सांप मौका पाकर अपनी पड़ोसी प्रजाति को प्रश्रय देकर छद्म युद्ध रोकने वाले हैं। इनके सफाए के लिए कोई बड़ा कदम ही अपेक्षित है। यह बात किसी से पोशीदा नहीं है कि देश में आतंक की जड़ें पाकिस्तान और उसके पिट्ठुओं द्वारा ही सींची जा रही हैं। इस दहशतगर्दी को तभी रोका जा सकेगा, जब स्थानीय लोगों को योजनाबद्ध ढंग से उनके खिलाफ खड़ा किया जाए। इस समय स्थानीय लोगों की भूमिका को लेकर भी संशय की स्थिति है। आतंकियों को स्थानीय संरक्षण मिलना हर हालत में बंद होना चाहिए। ऐसा होने पर ही इनकी जड़ें सूखेंगी। केन्द्र और स्थानीय प्रशासन को चौकन्ना होकर इस दिशा में काम करने की जरूरत हैं। चार वर्ष पूर्व जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद लम्बे समय तक वहां शांति का जो वातावरण नजर आया, वह कर्फ्यू और जनसंचार साधनों के ठप रहने, भारी संख्या में जवानों की तैनाती से लोगों के घरों में बंद रहने की परिणति थी। लेकिन जैसे ही कर्फ्यू हटा सांप वापस बिलों से निकल आए और रणनीति बदल-बदल कर आए दिन सुरक्षा बलों और पुलिस पर हमले कर रहे हैं। सीमा पार दहशतगर्दों के ट्रेनिंग कैम्प अभी भी चल रहे हैं। हाल ही में उड़ी में मारे गए आतंकियों के खात्मे की घटना इस बात की ओर साफ-साफ इशारा करती है कि पाकिस्तान अब भी भारतीय सीमा में इनकी घुसपैठ कराने से बाज नहीं आ रहा है। वक्त आ गया है कि भारत सीमा पार चल रहे जेहादियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने के लिए एक और सर्जिकल स्ट्राइक को अंजाम दे। बारामूला जिले के उड़ी में तीन आतंककारी ढेर किए गए थे। इससे पहले राजौरी में दो मारे गए। अनंतनाग के जंगल में लम्बी चली मुठभेड़ में दो आतंकवादियों के शव बरामद किए गए। जबकि कुछ पाकिस्तानी सीमा की ओर भागते देखे गए। अनंतनाग में चली करीब एक सप्ताह की यह सबसे लम्बे मुठभेड़ थी। आतंक विरोधी अभियान को और अधिक सर्तकता से संचालित करने की जरूरत है। ताकि हमारे सुरक्षाबलों व पुलिस को ज्यादा क्षति न उठानी पड़े। जम्मू-कश्मीर निश्चित रूप से एक नई सुबह देख रहा है और विकास के तेजी से डग भी भर रहा है, लेकिन जब तक उन स्थानीय लोगों को पकड़ कर सींखचों में नहीं डाला जाता, जो इस पहल पर पाकिस्तानी इशारों से पलीता लगाने की जुगत में हैं, हमारे प्रयास ज्यादा सफल नहीं होंगे। सावधानी बरतने की आवश्यकता इस लिए भी बढ़ गई है, क्योंकि आतंकी अपने पैंतरे बदल रहे हैं और छिपने के नए ठिकाने कायम कर रहे हैं।

अनंतनाग के जंगलों में हुई मुठभेड़ यही इंगित करती है कि वहां छिपे आतंकी पूरी तैयारी के साथ आए थे। वे इसलिए भी सफल हो रहे हैं क्योंकि उन्हें स्थानीय समर्थकों से सहयोग मिल रहा है। चिंताजनक बात यह है कि सीमापार से आने वाले आतंकी स्थानीय समर्थकों की शह पर घाटी के युवाओं को हथियार उठाने को राजी करने में सफल हो रहे हैं। आर्थिक मदद और हथियारों की आपूर्ति पर रोक लगाने के सारे उपाय कमजोर नजर आने लगे हैं। दहशतगर्दों की ओर से वहां जिस तरह के हथियार और गोलाबारूद उपयोग में लाए जा रहे हैं। उससे स्पष्ट होता है कि सुरक्षा बलों की तमाम नाकेबंदियों को धता बताने में वे कामयाब हैं। इसलिए सरकार और सेना को नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत है। सर्जिकल स्ट्राइक और फिर एक एयर स्ट्राइक के बाद भी पाकिस्तान सही सबक नहीं सीख सका है। वह केवल आतंकियों को प्रशिक्षित ही नहीं कर रहा, बल्कि जो आतंकी कश्मीर में सक्रिय हैं, उन्हें ड्रोन से हथियार भी मुहैया करवा रहा है। इसके अलावा वह दुष्प्रचार का सहारा लेकर कश्मीरी युवाओं को लोभ-लालच देकर आतंक की राह पर चलने के लिए उकसाने का भी काम कर रहा है। इसलिए जरूरी है कि स्थानीय स्तर पर उन लोगों पर शिकंजा कसा जाए, जो इस काम में उनके मददगार हैं।

प्रत्यूष

तेलंगाना : परिदृश्य बदलने की होड़ में कांग्रेस-भाजपा

दक्षिणी राज्य तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव में परिणाम एक तरफा थे। सत्तारूढ तेलंगाना राष्ट्र समिति ने 119 में से 90 से अधिक सीटें जीती थीं। क्षेत्रीय दल ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुसलमीन को सात व पांच सीटें कांग्रेस को मिली थीं। अब एक माह बाद होने वाले चुनावों में भाजपा भी रणनीति के साथ उतर रही है, परिणाम किस तरह के होंगे, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता।

सुहेल हामिद/हरदीप सेठी

कर्नाटक चुनाव में मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन हासिल करने के बाद कांग्रेस की नजर अब तेलंगाना के मुस्लिम मतदाताओं पर है। पार्टी मुस्लिम मतदाताओं का भरोसा जीतने की कोशिश कर रही है। इसके लिए पार्टी ने विशेष अभियान भी शुरू किया है। इसके तहत पार्टी मुस्लिम मतदाताओं तक पहुंचने का प्रयास कर रही है, ताकि विधानसभा चुनाव में उनका समर्थन मिल सके।

राज्य में करीब 13 फीसदी मुस्लिम मतदाता हैं। वह विधानसभा की 119 में से 40 सीटों पर असर डालते हैं। प्रदेश के लगभग सभी जिलों में मुस्लिम आबादी है, पर हैदराबाद, रंगा रेड्डी, महबूब नगर, नलगोंडा, मेडक, निजामाबाद और करीम नगर जिलों में मुस्लिम ज्यादा हैं। ऐसे में किसी भी पार्टी के पक्ष में मुस्लिम मतदाता का झुकाव विधानसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाता है। तेलंगाना के गठन के बाद मुस्लिम मतदाता भारत राष्ट्र समिति (पूर्व में तेलंगाना राष्ट्र समिति) और एआईएमआईएम पर भरोसा जताते रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के अनुसार मुख्यमंत्री के चन्द्रशेखर राव ने मुसलमानों से किए अपने वादे पूरे नहीं किए हैं। इसको लेकर एक मुस्लिम तबका नाराज है। इनमें आरक्षण की सीमा बढ़ाना सहित कई दूसरे वादे शामिल हैं।

इसके साथ कई मुद्दों पर भाजपा की अगुवाई वाली केन्द्र सरकार को समर्थन भी मुस्लिम तबके में शक पैदा करता है। इस शक को यकीन में बदलने के लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी सहित पूरी पार्टी इस बात पर जोर दे रही है कि बीआरएस भाजपा की बी टीम है। ताकि विधानसभा और उसके बाद लोकसभा चुनाव में मुस्लिम मतदाता बीआरएस के बजाय कांग्रेस का समर्थन करें।

विधानसभा चुनाव 2018

कुल सीटें 119

बीआरएस	88	46.40%
कांग्रेस	19	28.40%
भाजपा	01	7.10 %
अन्य	04	
एआईएमआईएम	07	2.70%

लोकसभा चुनाव

कुल सीटें 17

बीआरएस	09	41.29%
कांग्रेस	03	29.71%
एआईएमआईएम	01	2.78 %
भाजपा	04	19.45%

कर्नाटक से स्थिति अलग

यह सही है कि कर्नाटक में मुस्लिम मतदाताओं ने कांग्रेस पर भरोसा जताया था, पर तेलंगाना की स्थिति अलग है। कर्नाटक में कांग्रेस और भाजपा का सीधा मुकाबला था, जबकि तेलंगाना में त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। इसके साथ राज्य में हिजाब और हलाल मीट जैसे मुद्दे भी नहीं है। ऐसे में कांग्रेस को कर्नाटक की तरह मुस्लिम मतदाताओं का समर्थन मिलना मुश्किल है। इसकी एक वजह एआईएमआईएम है। एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी की हैदराबाद के मुस्लिम मतदाताओं पर अच्छी पकड़ है। वह कई चुनाव से हैदराबाद के पुराने शहर की सभी सात सीट पर जीत दर्ज करते आ रहे हैं। एआईएमआईएम का बीआरएस के साथ गठबंधन है। ऐसे में जिन सीट पर एआईएमआईएम चुनाव नहीं लड़ती है, वहां मुस्लिम बीआरएस का समर्थन कर रहे हैं।

तेलंगाना में पिछला विधानसभा चुनाव एक तरफा था। उस समय वहां सत्तारूढ दल तेलंगाना राष्ट्र समिति, जिसका नाम बदल कर अब भारत राष्ट्र समिति हो गया है, ने कुल 119 सीटों में से 90 से अधिक सीटें जीती थीं। स्थानीय दल ऑल इंडिया मजलिस इत्तेहादुल मुसलमीन को 7 सीटें तथा कांग्रेस को 5 सीटें आई थीं। बीजेपी को केवल 2 सीटों पर ही संतोष करना पड़ा था, लेकिन बीजेपी ने तभी ठान लिया था कि कर्नाटक के बाद दक्षिण के इस राज्य में पार्टी हर हालत में मजबूत होगी।

जब दिसम्बर 2020 यहां हैदराबाद नगर निगम के चुनाव हुए तो बीजेपी ने यहां शक्ति प्रदर्शन का निर्णय किया। चुनावों से पूर्व 150 सीटों वाली निगम में राष्ट्र समिति का कब्जा था। औवेसी की मुसलमीन दूसरे नंबर की पार्टी थी। बीजेपी के केवल चार पार्षद थे। बीजेपी ने यहां चुनाव जीतने की मुहिम चलाई। माहौल ऐसा बना कि लग रहा था कि बीजेपी निगम में अपना मेयर बना सकती है, लेकिन नतीजों में किसी पार्टी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला। तेलंगाना राष्ट्र समिति को 55 जबकि बीजेपी को 48 सीटें मिली। समिति और मुसलमीन में समझौते के चलते इन दोनों दलों में अपना मेयर चुन लिया। इसके बाद ही बीजेपी नेताओं का

आत्मविश्वास बढ़ा। उन्होंने यहां विधानसभा चुनावों में पूरी ताकल झोंकने का फैसला किया। संगठन के नेतृत्व में बदलाव कर बंडी संजय को पार्टी की कमान सौंप दी। बंडी को प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा के नजदीक माना जाता है। उन्होंने यहां प्रजा संग्राम रैलियों की श्रृंखला शुरू की। खुद मोदी ने पिछले वर्ष चार बार प्रदेश का दौरा किया तथा विभिन्न योजनाओं को आरंभ किया। पिछले साल जुलाई में पार्टी की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक भी यही रखी गई। बैठक से पूर्व समिति के सदस्यों को तीन दिन पहले ही यहां पहुंचने के लिए प्रदेश के विभिन्न शहरों, कस्बों और गांवों में जाकर पार्टी कार्यकर्ताओं को सम्पर्क के लिए कहा गया। ताकि संभावित उम्मीदवारों को लेकर जानकारी

मिल सके। कार्य समिति में इन सदस्यों ने प्रदेश में पार्टी की ताकत का आंकलन पेश किया। इसी के आधार पर केन्द्रीय नेताओं ने 2023 के विधानसभा चुनावों की रणनीति बनाने की तैयारी शुरू की। पिछले दिसम्बर में यहां के मुनुगोडे क्षेत्र से विधानसभा का उपचुनाव होना था। पार्टी ने यह चुनाव पूरी ताकत से लड़ने का निर्णय किया। पार्टी यह उप चुनाव जीत तो नहीं सकी, लेकिन इसके उम्मीदवार राजगोपाल रेड्डी, जो कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में आए थे, को लगभग 80 हजार वोट मिले, जबकि 2018 के चुनाव में पार्टी को यहां केवल 13 हजार वोट ही मिले थे। अब पार्टी विधानसभा चुनावों में सत्ता के कितना निकट पहुंचती है, यह अभी कहना मुश्किल है, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि पार्टी इन चुनावों में अच्छी स्थिति में उभरकर आने के प्रति आश्वस्त है।

प्रत्यूष

समाज में समरसता और भातृत्व भाव की पोषक पत्रिका

प्रत्यूष *(बहुरंगी हिन्दी मासिक)*

के आज ही सदस्य बनें। मात्र 600 रुपए वार्षिक।

पता: 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

रणवीरसिंह चुण्डावत
डायरेक्टर, Mob.: 7742791508

स्व. किशन सिंह जी चुण्डावत

चुण्डावत रेस्टोरेंट एण्ड चुण्डावत लस्सी कॉर्नर

पुराना रेलवे स्टेशन रोड, ठोकर चौराहा, उदयपुर

क्यों रहा नाकाम रूस का चंद्र अभियान?

लूना - 25 को लॉचिंग के दो मुख्य उद्देश्य थे। पहला, चांद की सतह का अध्ययन और ये पता करना कि इसका निर्माण कैसे हुआ। दूसरा, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर जाकर ये देखना कि वहां प्लाज्मा और डस्ट तत्व कैसे हैं।

अमित शर्मा

रूस की स्पेस ऐजेंसी रोस्कोस्मोस ने 11 अगस्त को जब लूना-25 को लान्च किया तो उसका सपना था कि वो 10 दिन में चांद पहुंच जाए। मगर ये सपना नौवें दिन ही (20 अगस्त) लूना-25 के चांद की सतह पर पहुंचने से पहले ही बिखर गया। रूस को ये झटका ऐसे वक्त में लगा है, जब भारत चंद्रयान-3 के जरिए 23 अगस्त को चांद पर पहुंच गया और अपने मिशन में कामयाब भी रहा। लूना-25 का नाम लूना ग्लोब लैंडर भी है। हालांकि रूस ने इसे लूना-25 ही कहा ताकि वो चांद पर भेजे अपने पुराने मिशन की सिरीज में इसे रख सके। अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा के मुताबिक, लूना-25 को लान्च करने के दो मकसद थे। मुख्य मकसद चांद की सतह का अध्ययन और ये पता करना कि ये किससे बना है। दूसरा, चांद के दक्षिणी ध्रुव पर जाकर ये देखना कि वहां प्लाज्मा और डस्ट तत्व कैसे हैं और उनका अध्ययन। लूना-25 के दुर्घटनाग्रस्त होने के कारणों का पता लगाने के लिए रोस्कोस्मोस द्वारा गठित जांच समिति काम कर रही है। फिलहाल रूसी स्पेस एजेंसी का कहना है कि तकनीकी कारणों से ऐसा हुआ।

रोस्कोस्मोस के प्रमुख यूरी बोरिसोफ के अनुसार लूना-25 को लैडिंग से पहले की कक्षा में स्थापित करने वाला इंजन तय 84 सेकंड की बजाय 127 सेकंड तक काम करता रहा। जांच में पाया गया कि दुर्घटनाग्रस्त होने का यही मुख्य तकनीकी कारण था। रूस लूना-25 के लिए साल 2010 से तैयारी कर रहा था। ये तैयारी 2023 में पूरी हुई और लगभग 50 साल बाद रूस ने अंतरिक्ष कार्यक्रम की ओर फिर से कदम रखना शुरू ही किया था कि विफलता हाथ लगी। कई वैज्ञानिकों और स्पेस विशेषज्ञ ने कहा है कि ये साफ है कि चांद पर जाने के मामले में रूस पिछड़ रहा है। लंबे वक्त तक अंतरिक्ष कार्यक्रमों के प्रति निष्क्रियता को भी इसके लिए जिम्मेदार माना जा रहा है।

एक रपट के मुताबिक, रूस ने इंटरनेशनल लुनर स्पेस स्टेशन को लेकर 2021 में जो फैसले किए, उससे उसकी भूमिका सीमित हो गई। रूस ने लूना-26 और लूना-27 के लिए योजना बना रखी थी। पर जब लूना-25 हादसे का शिकार हो गया है तो इससे रूस के इरादे आगे के लिए स्थगित हो सकते हैं। संभव है कि रूस 2027 और 2028 तक के लिए अपनी अंतरिक्ष योजनाओं को टाल दे। हालांकि स्पेस रिव्यू वेबसाइट पर अपने एक लेख में डैनियल डकहैन कहते हैं कि ये कहना गलत है कि रूस का अंतरिक्ष कार्यक्रम ढलान पर है। वो लिखते हैं, 1990 से 2012 तक रूस वाकई अंतरिक्ष कार्यक्रम के मामले में ढलान पर था।

नई वैज्ञानिक उपलब्धियों को हासिल करने के मामले में भी रूस पीछे रहा। इसी की नतीजा था कि 1990 के दौर में अमेरिका रूस से आगे निकल गया। अंतरिक्ष कार्यक्रमों में यूरोप, चीन और जापान के आने से भी रूस की हिस्सेदारी कम हो गई। डैनियल ने कहा कि बीते एक दशक को अगर देखें तो रूस की स्थिति स्थिर है। 2010 तक रूस की हिस्सेदारी बढ़ रही थी, फिर भारत का प्रवेश हुआ और रूस की रफ्तार धीमी हुई। लेख में वे आगे कहते हैं कि 2022 में रूस की अंतरिक्ष कार्यक्रमों में हिस्सेदारी 26.7 फीसद थी, जो साल 2007 की 26.8 फीसद हिस्सेदारी जितनी ही है। डैनियल लेख के अंत में लिखते हैं किसी एक अंतरिक्ष कार्यक्रम की विफलता से किसी एक देश की क्षमता का आकलन नहीं किया जाना चाहिए। रूस को कमतर नहीं आंकते हुए ये बात भी नहीं भूलनी चाहिए कि रूस अपने मिलिट्री स्पेस सिस्टम को फिर से मजबूत करने के लिए काम कर रहा है।

आधार : (रूस व अमेरिका की स्पेस एजेंसियों के विश्लेषण)

Happy Navratri

Hotel
Raj Shree Palace

The Royal & Luxury Stay

Opp. Garden Hotel, Gulab Bagh Road, Udaipur - 313001, Ph. : 0294-6505060
E-mail : hotelrajshreepalaceudr@gmail.com, Website : www.hotelrajshreepalace.com

गांधी एक सच्चा नायक

कुछ बातें ऐसी होती हैं, जो व्यक्ति को महान और नेता बनाती हैं। दरअसल एक अच्छे नेता में सहानुभूति, निष्काम कर्म, आत्म मंथन, भीतरी सजगता, निडरता सादगी व सहजता तथा अपने काम की जिम्मेदारी का एहसास आदि गुण आवश्यक हैं। संयोगवश ये सभी विशेषताएं महात्मा गांधी में मौजूद थीं।

सुधीर कक्कड़

वर्ष 1930 की शुरुआत में महात्मा गांधी दो महीनों के लिए एकांतवास में चले गए थे। वहां से वह देश की आजादी में निर्णायक साबित होने वाले बड़े फैसले के साथ वापस लौटे। उससे कुछ पहले ही भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण आजादी लेने का संकल्प लिया था। इस लक्ष्य को आगे ले जाने की जिम्मेदारी गांधीजी पर थी। हर गुजरते दिन के साथ गांधीजी की लगातार चुप्पी पर बातें होने लगी थीं। किसी का कहना था वह आजादी की लड़ाई से खुद को अलग कर रहे हैं। राजनीति में भूल से आ गया महात्मा वापस संतों के काम यानी आत्मा की मुक्ति की खोज में लग गया है। कोई कह रहा था-वह अंग्रेजों को बाहर निकालने के लिए हिंसक आंदोलन का समर्थन कर रहे हैं। अहिंसा से उनका विश्वास उठा गया है और अब वह देश के युवाओं को हथियार उठाने के लिए प्रेरित करेंगे।

गांधीजी कई दिन से मौन थे। वह ऐसे कदम की तलाश में थे, जिसमें सबकी भागीदारी हो। हाशिये पर जी रहे लोगों की कल्पनाओं और आत्मा से उस फैसले का जुड़ाव हो। कुछ लोग उम्मीद कर रहे थे कि आगे चलकर उनका यह कदम सविनय अवज्ञा आंदोलन की राह पर बढ़ेगा और अंग्रेजों के लगाए करों और अदालतों का बहिष्कार किया जाएगा। लेकिन गांधीजी एक ऐसे रास्ते को ढूंढ रहे थे, जो देश के हर ग्रामवासी के जीवन से जुड़ा हो। और एक सुबह उन्होंने अपने फैसले में नमक को चुना। उन्होंने कहा कि देशभर में आजादी की लड़ाई अंग्रेजों के बनाए गए नमक कानून को तोड़कर शुरू की जाएगी और खुद गांधी उस कानून को तोड़ने वाले पहले व्यक्ति होंगे। कांग्रेस के ज्यादातर नेता गांधीजी को पूछ रहे थे-क्या आप सच में यही कह रहे हैं? आप चाहते हैं कि हम नमक बनाएं? गांधी के तर्क और मजाकिया अंदाज ने तुरंत सब ठीक कर दिया। जीवन की सबसे बुनियादी जरूरत है नमक। भारतीय आसानी से इसे बना सकते हैं। पर यह पूरी तरह से अंग्रेजों के कब्जे में है, जिस पर भारतीयों को कर चुकाना पड़ता है।

दो मार्च 1930 को गांधी ने तबके वायसराय लॉर्ड इरविन को इस फैसले की जानकारी देते हुए एक पत्र लिखा। यह पत्र गांधी के चरित्र की मजबूती दिखाता है। उन्होंने लिखा मेरा अपना भरोसा पूरी तरह स्पष्ट है मैं जीव मात्र का नुकसान नहीं करना चाहता। भले ही वह मुझे कितना ही बड़ा नुकसान पहुंचाए। यही वजह है, अंग्रेजों के शासन को अभिशाप मानते हुए भी मैं किसी एक अंग्रेज के भारत में जुड़े वैध हित को नुकसान नहीं पहुंचाना चाहता। मैं भारत के गरीब आदमी के नजरिये से नमक पर कर को अन्यायपूर्ण मानता हूं। आजादी की लड़ाई यहां के गरीबों के लिए है, तो इसकी शुरूआत नमक काननू को तोड़कर ही की जाएगी।

आज के नेताओं को गांधीजी से बहुत कुछ सीखने समझने की जरूरत है। गांधीजी के ठोस नेतृत्व में कई गुण दिखाई देते हैं। उनके उठाए गए कदम में सहानुभूति है, निष्काम कर्म का भाव है और लगातार आत्ममंथन है। वह भीतर की आवाज सुनते हैं और फिर निडर होकर हर काम की जिम्मेदारी लेते हुए आगे बढ़ते हैं। एक सच्चे नेतृत्व में यही गुण होते हैं, जो जीवन मात्र के प्रति गहरी हमदर्दी के साथ अपनी निजता की भी मजबूती से रक्षा करता है। सच है कि जितने हम अपने में मजबूत होते हैं, उतना हमें आत्मकेन्द्रित होने की जरूरत कम होती है। गांधीजी में मौजूद सहानुभूति का गुण आत्मा का सर्वोच्च गुण है। सहानुभूति से यह जुड़ाव हमारे निज को अहं की कैद से मुक्त करता है, जिसकी चौकीदारी स्वार्थ के पहरेदार कर रहे होते हैं। सहानुभूति प्यार के रूप में उनके प्रति जाहिर होती है, जो बचपन में हमारा ध्यान रखते हैं। हमें गढ़ते हैं। जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं हमारी संतान, दोस्तों और प्रेमी से होते हुए इस प्यार का दायरा बड़ा होता चला जाता है। गांधी की हमदर्दी का दायरा इतना व्यापक था कि वह लाखों की अंदर की आवाज से मिलकर उनकी अपनी आवाज बन गया। इसके बूते वे बेखौफ, पूरी मजबूती के साथ फैसले ले सके। आप महान नेता नहीं बन सकते अगर सहानुभूति तो है, पर मजबूत आत्मचेतना नहीं। एक महान नेता का पैमाना है कि उसमें हमदर्दी भी होती है और अहंकार से परे आत्मचेतना का भाव भी। इसी आत्मचेतना के साथ वह सच्चाई तक पहुंचता है, जो हम सबके जनमानस से जुड़ जाती है। हमारे मानस में नैतिक मूल्यों की आवाज, तार्किक आवाज की जगह ही धीमी होती है। पर अंतरात्मा से निकली यह सच्ची आवाज उठी होती है।

(यह लेख सुधीर कक्कड़ की किताब 'ब्रदरहुड इन नाउ ए डिस्टेंट एस्पिरेशन: एसेज ऑन गांधी' के एक निबंध पर आधारित है।)

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं
DAAWAT
THE BASMATI SPECIALIST
94141-60671 (Sirumal)
94141-57343 (Dilip)
94141-62036 (Lakhmichand)
99503-00412 (Lakhmichand)
POPULAR
ब्राण्ड
दलिया, बेसन, बाटी–आटा के निर्माता
MP का आदित्य आटा एवं पापुलर ब्राण्ड हलवाई स्पे. मैदा उपलब्ध है
मोहन ट्रेडिंग कम्पनी
अधिकृत विक्रेता : दावत बासमती चावल
हर प्रकार के चावल, दालें, मैदा, सूजी, बेसन, पौहा के होलसेल व्यापारी
153, कृषि उपज मण्डी यार्ड, उदयपुर (राज.) Phone : 0294-2483671, 2464036 (R)
प्लांट : जी–1, 414, सिक्योर मीटर के पीछे, कैम्बे होटल के पहले वाली गली, भामाशाह इण्ड. एरिया, कलड़वास, उदयपुर (राज.)

श्राद्ध कर्म से तृप्त पितृ देते हैं आशीर्वाद

शतपथ ब्राह्मण में कहा गया है कि पितृ पुरुषों के लिए आहुतियां दी जाती हैं, क्योंकि वैदिक यज्ञों में जब अग्नि, इन्द्र, प्रजापति एवं विष्णु आदि देवताओं को आहुतयां दी जाती हैं तो यज्ञ में नियुक्त पुरोहितों को भी भोजन एवं दक्षिणा दी जाती है। अतएव ऐसा नहीं समझा जाए कि श्राद्ध के समय ब्रह्मभोज एक रूढिवादी धारणा है।

कौसलेंद्र शास्त्री

वैदिक सनातन धर्म ने पुनर्जन्म और कर्मविपाक जैसे सिद्धांत ग्रहण करते हुए श्राद्ध की परम्परा को ज्यों का त्यों रख लिया है। कारण है कि श्राद्ध के बहाने व्यक्ति में अपने पुरखों की याद बनी रह सके। श्राद्ध संस्थान अति उत्तम है इससे व्यक्ति अपने पूर्वजों का स्मरण कर लेता है जो जीवितावस्था में उसके और परिवार के प्रिय थे।

भगवान विष्णु हैं श्राद्ध के देव

विष्णुधर्मोत्तर पुराण में उल्लेख है कि श्राद्ध प्रथा का संस्थापन भगवान विष्णु के वराह अवतार के समय हुआ और विष्णु को पिता, पितामह एवं प्रपितामह को दिए गए तीन पिण्डों में अवस्थित, मानना चाहिए। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि ईसा की कई शताब्दियों पूर्व श्राद्ध प्रथा का प्रतिष्ठापन हो चुका था और यह मानव जाति के पिता मनु के समान ही प्राचीन है। श्राद्ध शब्द के अन्य प्रयोग सूत्र साहित्य में प्राप्त होते हैं। अत्यंत तर्कशील एवं संभव अनुमान यह निकाला जा सकता है कि पितरों से संबंधित कृत्य के विशिष्ट नाम की आवश्यकता प्राचीन काल में नहीं समझी गई। जब पितरों के सम्मान में किए गए कृत्यों की संख्या में अधिकता हुई तो श्राद्ध शब्द की उत्पत्ति हुई।

'कुतप' का रखें ध्यान

कुतप सूर्योदय से आठवां मूहुर्त है और श्राद्ध कुतप मुहूर्त में किया जाता है। कुतप शब्द के आठ अर्थ हैं–मध्याह्न, पात्र, कम्बल, चांदी, दर्भ, तिल, गाय एवं दोहित्र (कन्या का पुत्र)। सामान्य नियम यही है कि श्राद्ध अपराह्न में किया जाता है।

श्राद्ध के लिए सर्वोत्तम अमावस्या

पराशर स्मृति के अनुसार यदि कोई देशांतर में मर जाए अथवा यह ज्ञात न हो कि वह जीवित है या मृत या उसकी मृत्यु तिथि का पता न चल सके तो कृष्ण पक्ष की अष्टमी, एकादशी अथवा अमावस्या को मृत्यु तिथि मानकर उसका जल–तर्पण, पिंडदान एवं श्राद्ध कर लेना चाहिए। लघुहारीत का कथन है कि यदि श्राद्ध के समय कोई अवरोध हो जाए या मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो कृष्ण पक्ष की एकादशी को अंत्येष्टी–क्रिया कर देनी चाहिए।

श्रद्धा से जुड़ा है श्राद्ध

श्राद्ध एवं श्रद्धा में घनिष्ठ संबंध है। श्राद्धकर्ता का अटल विश्वास रहता है कि मृतक या पितरों के कल्याण के लिए ब्राह्मणों को जो कुछ दिया जाता है, वह उन्हें अवश्य मिलता है। स्कन्दपुराण का कथन है कि 'श्राद्ध' नाम इसलिए पड़ा है कि व्यक्ति को यह करना ही है। श्रद्धा को देवत्व दिया गया है और वह देवता के समान संबोधित है। निरूक्त में श्रद्धा को सत्य के अर्थ में व्यक्त किया है। वाजसनेयी–संहिता में कहा है कि प्रजापति ने श्राद्ध को सत्य में और अश्रद्धा को झूठ में रख दिया है। सत्य की प्राप्ति श्रद्धा से होती है।

ब्रह्मपुराण ने श्राद्ध की परिभाषा दी है–जो कुछ उचित काल, पात्र एवं स्थान के अनुसार शास्त्रानुमोदित विधि द्वारा पितरों को लक्ष्य करके श्रद्धापूर्वक दिया जाता है, वह श्राद्ध कहलाता है। मिताक्षरा ने श्राद्ध को परिभाषित किया है–पितरों को उद्देश्य करके उनके कल्याण के लिए श्रद्धापूर्वक किसी वस्तु को या किसी द्रव्य का त्याग श्राद्ध है। कल्पतरू

की परिभाषा है - पितरों को उद्देश्य करके लाभ के लिए यज्ञिय वस्तु का त्याग एवं ब्राह्मणों द्वारा उसका ग्रहण श्राद्ध है।

श्रद्धा के हैं दो भेद

श्राद्ध के कई प्रकार हैं, जिनमें दो प्रमुख हैं- एकोदिष्ट और पार्वण। एकोदिष्ट का संपादन व्यक्ति की मृत्यु से एक वर्ष के भीतर या मृत्यु के ग्यारहवें दिन होता है। मृत व्यक्ति के वार्षिक दिन पर भी एकोदिष्ट श्राद्ध किया जा सकता है। पार्वण श्रद्धा का संपादन किसी भी मास की अमावस्या या आश्विन मास के विशिष्ट सोलह दिनों में किया जाता है। इसमें कर्ता के तीन पितृ-पूर्वजों और मातृ-पूर्वजों के श्राद्ध किए जाते हैं।

एक अन्य श्राद्ध सपिंडन या सपिंडीकरण है जो मरने के एक वर्ष बाद या बारहवें दिन किया जाता है। इसके करने से मृत व्यक्ति प्रेत योनि से मुक्त होकर पितरों की श्रेणी में आता है। विधवा एवं दुहिता भी एकोदिष्ट श्राद्ध करती है किंतु पुत्र, पौत्र और प्रपौत्र पार्वण श्राद्ध कर सकते हैं।

'दायभाग' का कथन है कि उत्तराधिकारी

पार्वण श्राद्ध द्वारा मृत व्यक्ति का महान पारलौकिक कल्याण करते हैं। दायभाग ने एक स्थान पर पार्वण को त्रैपुरूषिक संज्ञा दी है। क्योंकि यह तीन पूर्वजों के कल्याण के लिए किया जाता है। व्यास का कथन है कि विधवा ब्रह्मचर्य में स्थित रहकर, तिलांजलि देकर (मृत पति को तिल एवं जल अर्पणकर) तथा उपवास करके अपने मृत पति को तारती है, क्योंकि पति और पत्नी एक-दूसरे के पुण्य-पाप के फल के अधिकारी हैं। यदि मृत व्यक्ति के कई पुत्र हों तो केवल ज्येष्ठ को ही श्राद्ध करने का अधिकार है। यदि ज्येष्ठ पुत्र अनुपस्थित या पतित हो तो उससे छोटे पुत्र को यह अधिकार है, उससे छोटे को नहीं। यदि सभी पुत्र अलग हो गए हों तो सपिंडीकरण तक की क्रिया केवल ज्येष्ठ पुत्र करता है किंतु वार्षिक श्राद्ध सभी पुत्र अलग-अलग कर सकते हैं। यदि पुत्र एक साथ रहते हैं तो सभी कृत्य यहां तक कि वार्षिक श्राद्ध ज्येष्ठ पुत्र ही करता है।

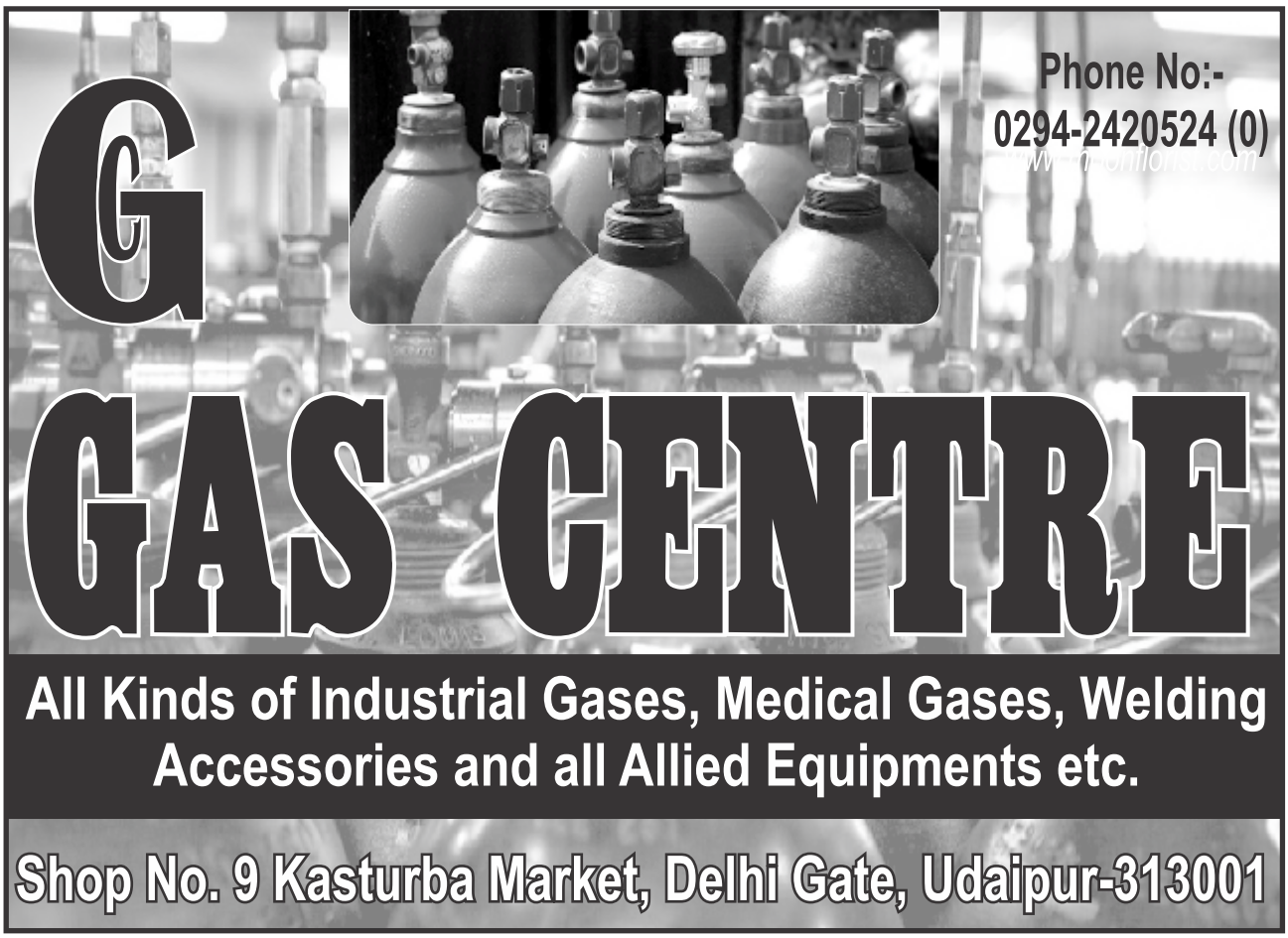

वे बूढ़े हुए हैं, अक्षम नहीं

रोक-टोक करना, जरूरत से ज्यादा फिक्र होने का आभास कराना, खान-पीन पर अनावश्यक हिदायत, उनके आत्म विश्वास का हनन है। वे बुजुर्ग हुए हैं, अक्षम नहीं। उन्हें अपने मुताबिक जीने दें सोचने-विचारने के लिए आजादी दें। ताकि वे स्वस्थ रहेंगे और खुश भी।

डॉ. तबस्सुम शेख

अपने जीवन की अनेकानेक जिम्मेदारियों को जिन्होंने सफलतपूर्वक निभाया है, वे बढ़ती उम्र के साथ अप्रासंगिक कैसे हो सकते हैं ? बुजुर्ग के व्यवहार की शिकायतें करने से पहले एक बार गौर जरूर करें कि कहीं ये घर के युवाओं या अन्य छोटों की वजह से तो नहीं। कुछ भूल जाने पर उनसे यह तो नहीं कहा गया, अब बूढ़े हो गए हैं, या जरा-सा लड़खड़ाने पर कहा हो, 'संभलकर चलिए' इस उम्र में चोट लग गई, तो सहन नहीं कर पाएंगे। इस तरह की टिप्पणियां युवाओं के आत्मविश्वास को डिगाने में सक्षम हैं, तो बुजुर्गों का क्या हाल होता होगा। आप उनके लिए जरूरत से ज्यादा चिन्ता जताते हैं जो उन्हें अपनी क्षमताओं पर शक और अंकुश महसूस होता है।

अहम महसूस कराएं: अकसर बड़े-बु ुर्गों की शिकायत होती है कि वे घर के किसी एक कोने में जिंदगी गुजार रहे हैं। चूंकि वे बूढ़े हो गए हैं इसलिए उन्हें कोई पूछता नहीं। ऐसे में घर में कोई बुजुर्ग हैं, तो उन्हें हर फैसले में साथ रखें। बच्चों के जीवन से जुड़े फैसले हो या वित्त से, बड़ों से भी उनकी राय पूछे। वे भले आधुनिक समय से परिचित न हों, लेकिन सही मायनों में उनका तजुर्बा ज्यादा है। हर छोटे-बड़े फैसले में उन्हें साथ लेकर चलें। इसके अलावा, यदि घर में मेहमान आते हैं, तो उन्हें साथ बिठाएं और परिचय कराएं। वहां बैठना या न बैठना उनकी मर्जी है। इसका फैसला लेने के लिए भी उन्हें आजाद रखें। अक्सर घर के बुजुर्ग बच्चों के दोस्तों या परिचितों से अनजान होते हैं जिसके लिए कहीं न कहीं बच्चे ही जिम्मेदार हैं।

अपने अनुसार जीने दें: माता-पिता जब

विश्व वृद्ध दिवस
1 अक्टूबर

बूढ़े हो जाते हैं, तो बच्चों की रोक-टोक भी शुरू हो जाती है। माना कि आप उनकी चिंता करते हैं लेकिन चिंता और नियंत्रण के बीच एक पतली लकीर है जिसे आपको समझना है। जिस तरह से आप उनकी चिंता करते हैं उनके लिए यह अंकुश बन जाता है। ऐसे में वे जो चाहते हैं उन्हें करने दीजिए। पर उनकी सुरक्षा और देखभाल इस तरह करें कि उन्हें महसूस न हो। उदाहरण के लिए अगर आप उनकी सुरक्षा के लिए जीपीएस ट्रेकर डिवाइस दे रहे हैं, तो साथ में परिवार के हर सदस्य को भी ट्रेकर दीजिए ताकि उन्हें ऐसा न लगे कि आप उन पर नजर रखना चाहते हैं।

अपना काम खुद करने दें: अगर घर के बुजुर्ग अपना काम खुद करना चाहते हैं तो उन्हें करने दें। हां, ऐसे काम जिनसे उन्हें नुकसान पहुंच सकता है उनमें उनकी मदद कर सकते हैं। अगर आप उन्हें कोई काम नहीं करने देंगे, तो उन्हे बंदिश महसूस होने लगेगी और इनके व्यवहार में चिड़चिड़ापन या नाराजगी नजर आएगी। हालांकि वे आपसे मदद इसलिए भी नहीं मांगेंगे क्योंकि उन्होंने जिंदगीभर आपकी मदद की है, इसलिए मदद नहीं मांग सकते। एक तरह से ये बदलाव उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। घर में इस तरह का वातावरण रखें कि वे अपने को अलग-अलग महसूस न करें। उम्र महसूस न हो दें। खेल हर उम्र के व्यक्ति को ऊर्जा से भर देता है। उनके साथ ऐसे खेल खेलें जिससे उनको खुशी मिले कुछ ऐसे कार्य जिनमें वे अव्वल हैं उनमें मदद लें जैसे कि अगर हिसाब-किताब में वो अच्छे हैं तो इससे संबंधित कार्य उनको दे सकते हैं। उन्हे हमेशा व्यस्त रखें। कभी भी उन्हें ऐसे उपहार न दें जिससे उन्हें उम्र का एहसास हो, जैसे कि छड़ी। ये उन्हें बूढ़ा महसूस करा सकती है।

जेनरेशन गैप की सोच कई युवा, बुजुर्गो से सलाह नहीं लेते और उनसे मदद नहीं मांगते क्योंकि उन्हें, लगता है कि हमारी और उनकी पीढ़ी में बहुत ज्यादा अंतर हैं। इस बात को समझिए कि अगर हम उनसे बात करेंगे तो उन्हें लगेगा कि हम उनको महत्व देते हैं।

सब एक-दूसरे की मदद करें। देखा जाए तो उनके लिए काम करते रहना भी जरूरी है। वे शारीरिक रूप से जितना सक्रिय रहेंगे, दिमाग और शरीर से उतना ही स्वस्थ रहेंगे। वहीं जितनी बंदिश लगाएंगे वे उतना ही बीमार रहेंगे।

नजर अंदाज न करें: अगर वे कुछ कह रहे हैं या बता रहे हैं, तो उनकी बात ध्यान से सुनें। कई दफा बच्चे बुजुर्गो की बातें न ार अंदाज करते हैं। अगर किसी तकनीक या वस्तु के संबंध में जानकारी हासिल करना चाहते हैं, तो उन्हें ये कहकर न टालें कि आप जानकर क्या करेंगे। बल्कि उन्हें इसके बारे में समझाएं। यही व्यवहार अपने बच्चों को भी सिखाएं। अपने बड़ो से जैसा व्यवहार करेंगे अपके बच्चे वही सीखेगें और आपसे भी वैसा ही व्यवहार करेंगे। अगर बच्चे बुजुर्गो के साथ दुर्व्यवहार करते हैं, तो उन्हे डांटे और माफी मांगने के लिए भी कहें।

(लेखिका वरिष्ठ मनोवैज्ञानिक हैं)

Happy Navratri

Universal
Power Industries

Engineers & Manufacturer :

✦ Monoblock Pump ✦ Power Fector Correction ✦ AMF Panel ✦ Synchronizing of DG ✦ Switch Gear LT/HT ✦ Power Control Panel ✦ Motor Control Panel ✦ Stone Process Machine Panel ✦ Automation Panel ✦ Automatic Power Fector Panel

1, SPL. Com, Industrial Estate, Pratap Nagar, Udaipur-313 001
Ph. : 0294-2490230 (W) 2490373 (R)

Telemecanique
Square D
Merlin Gerin

Authorised Service Contractors
Schneider Electric India Pvt. Ltd.

फिल्मी दुनिया में दिखेंगे नए चेहरे

नामी सितारों के बच्चे पदार्पण को तैयार

आरती सक्सेना

फिल्मों में परिवारवाद काफी वर्षों से चल रहा है, जिसका सबसे बड़ा उदाहरण है- कपूर खानदान। इसकी कई पीढ़ियां एक के बाद एक फिल्मों से जुड़ी हैं। जैसे पृथ्वीराज कपूर के बाद राज कपूर, रणधीर कपूर, ऋषि कपूर, रणबीर कपूर, करिश्मा और करीना कपूर। लेकिन यह जरूरी नहीं है कि नामी सितारों के बेटे-बेटियां सफल ही हो, कई बड़े सितारों के बच्चे फिल्मों में असफल भी रहे हैं। इस साल 2023 में भी कई सितारों के बच्चे फिल्मों में पदार्पण कर रहे हैं।

निर्देशक जोया अख्तर की फिल्म द आर्चीज में कई प्रसिद्ध सितारों के बच्चे पहली बार अभिनय करते नजर आएंगे। द आर्चीज फिल्म नेटफिलक्स पर दिखाई जाएगी। इसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान, श्रीदेवी की छोटी बेटी खुशी कपूर और श्वेता बच्चन के बेटे और अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा पहली बार अभिनय करते नजर आएंगे। आमिर खान के बेटे जुनैद खान जो कि पहले बतौर सहायक अभिनेता राजू हीरानी की फिल्म पीके में काम कर चुके हैं। खबरों के अनुसार जुनैद फिल्म महाराजा से पदार्पण करेंगे, सारा अली खान के भाई और सैफ अली खान व अमृतासिंह के बेटे इब्राहिम अली खान भी रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में बतौर सहायक निर्देशक काम करने के बाद करण जौहर की अनाम फिल्म में नजर आएंगे। जिसमें काजोल

भी अहम भूमिका में नजर आएंगी, अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे एक अनाम फिल्म में विश्व सुंदरी मानुषी छिल लर के साथ अभिनय करते नजर आएंगे।

संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर करण जौहर की फिल्म बेधड़क में नजर आएंगी। रितिक रोशन की चचेरी बहन पशमीना रोशन शाहिद कपूर की पहली फिल्म 'इश्क-विश्क' की पुनर्कृति में नजर आएंगी। सलमान खान की भांजी और अभिनेता अतुल अग्निहोत्री की बेटी अलीजा अग्निहोत्री राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और फिल्म निर्माता सोमेंद्र पाड़ी के निर्देशन में बन रही फिल्म के जरिये इस फिल्म से पदार्पण करेंगी। रवीना टंडन की बेटी राशा टंडन खबरों के अनुसार अजय देवगन के भतीजे के साथ अनाम फिल्म से पदार्पण करेगी। संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर भी वृषभ फिल्म में नजर आएंगी। अजय देवगन की बेटी न्यासा देवगन को लेकर भी खबर है कि वे जल्दी ही फिल्मों में पदार्पण करने वाली हैं। इसके अलावा शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान बतौर अभिनेता नहीं बल्कि बतौर निर्देशक ओटीटी मंच के जरिये पदार्पण करेंगे। इससे यही निष्कर्ष निकलता है कि प्रसिद्ध सितारों के बच्चे भी फिल्मों में काम करने को लेकर उतने ही उत्साहित हैं जितने कि उनके माता-पिता। यही वजह है कि प्रसिद्ध अभिनेताओं के बच्चे सफल हों या असफल लेकिन एक बार अपनी किस्मत जरूर आजमाते हैं।

मुर्दाल मनहूसों का साया, हर तरफ अपना-पराया

डॉ. दीपक आचार्य

प्राय: यही कहा जाता है कि एक मछली सारे तालाब को गन्दा कर देती है पर अब मछली उन्होंने भी संगठन की ताकत को समझ लिया है। अब एक ही तालाब में समान दुराचार-दुर्व्यवहार वाली मछलियां गिरोह के रूप में रहने लगी हैं जो न केवल तालाब को ही गंदा कर डालती हैं बल्कि तालाब के तटों और वनस्पतियों तक को हजम कर जाती हैं। मछलियों ने अपने जगत के दूसरे जीवों को भी जलेबियां दिखाकर वश में कर लिया है और उनके सहारे तालाब के समूचे वजूद को चुनौती देने लगी हैं। मछलियां ही नहीं अब दरियाई घोड़ों, साँपों और घड़ियालों-मगरमच्छों तक को नए जमाने की हवा लग चुकी है।

तभी तो ये सारे के सारे उतर आए हैं अपनी पर। यों भले ही ये एक-दूसरे के धुर विरोधी और गलाकाट स्पर्धा से लबरेज क्यों न हों, मगर जब कुछ हथियाने और माल उड़ाने से लेकर जमा करते हुए अपना आधिपत्य जमाने की बात आती है तो युगों पुराने वैर को भुलाकर गलबहियां करने लगते हैं। ऐसा ही सब तरफ दिख रहा है, मनुष्य समाज में भी मेरा-तेरा के चक्कर में सारे के सारे लगे हुए हैं। खूब सारे ऐसे हैं जो अपना तो अपना मानते ही हैं, औरों का माल भी अपना मानते हैं। छीना-झपटी और मुफ्तखोरी का धंधा परवान पर है। जब बिना कुछ किए ही सब कुछ हासिल होता रहे तो कौन होगा जो काम करना चाहेगा, मेहनत की इच्छा करेगा ?

बिना पुरुषार्थ के सब कुछ मुफ्त में पा जाने का उतावलापन इस कदर हावी है कि जैसे एक-दूसरे से छीनने की कोई प्रतिस्पर्धा चल रही हो। जमाने में हड़पने का चलन भी कुछ इसी प्रकार के ढर्रे पर चल पड़ा है। न लहरों में तैरने का आनंद कोई चाहता है, न हवाओं का संगीत सुनने को जी मचलता है। न दुनिया को जानने और ज्ञान पाने का माद्दा दिखता है, न और कुछ। सिक्कों की खनक, स्वर्णाभूषणों से लबरेज जिस्म, ताजातरीन बेशकीमती इलेक्ट्रॉनिक फैशनी उपकरण और बैंक लॉकरों के सिवा अब किसी को कुछ नहीं दिखाई देता। तृष्णा की इस मृग मरीचिका में भटके और अटके सारे के सारे स्वयंभू हो चले हैं। सब को लगता है कि वही राजा या राजकुमार, रानी, पटरानी या महारानी हैं।

सामाजिक बदलाव के इस भयानक दौर में कोई कोना ही शायद ऐसा बचा हो जिसमें मातृभूमि की सेवा का कोई प्रगाढ़ भाव निहित हो। सब तरफ अपने ही घर को भरने का सिलसिला चल पड़ा है। ऐसे लोगों की आत्मा ही मर चुकी है। इनके लिए संसाधन, सम्पदा और पात्रताहीन प्रतिष्ठा पाना ही जीवन का परम ध्येय है। ये लोग हर उस रंग में रंग जाते हैं जो उनकी जिन्दगी में इन्द्रधनुष खिलाता हुआ दिखता है। बहुरूपिए, मसखरे भी इनके आगे फीके हैं। इसमें सभी किस्मों के लोग शुमार हैं। व्यक्तिवादी और व्यक्तिपूजक दुमछल्ले हैं और राष्ट्र के नाम पर चिल्लपों मचाने वाले भी। मातृभूमि की सेवा और इसके लिए सर्वस्व समर्पण जैसी बातें अब खोखली होने लगी हैं। जो जैसा दिखता है, वह वैसा है नहीं। उसका कर्म, व्यवहार और वाणी सब कुछ उलट-पुलट है। केवल दिखाने भर के लिए हम धर्म, सत्य और न्याय की बातें करते हैं, उन पर अमल करने का साहस कितनों में है, यह आज का सर्वाधिक महत्वपूर्ण यक्ष प्रश्न है। संस्कारहीनता और स्व के लिए सर्वस्व करने मात्र की संस्कृति ने सभी को जकड़ लिया है। सामाजिक लोक जीवन में भौतिक समृद्धि ही सर्वोपरि, सर्वमान्य और लोक प्रतिष्ठा हो चुकी है। इस वजह से ही लोग परंपरागत संस्कारों, सेवा और परोपकार के धर्म और पारम्परिक नैतिक मूल्यों की बलि चढ़ाते जा रहे हैं। इन लोगों को वह कुछ भी नहीं करना पड़ता है, जो उन्हें उच्चता पर प्रतिष्ठित करे। जबकि हमारे पूर्वजों को अपनी सामाजिक प्रतिष्ठा बनाने और बचाए रखने के लिए बरसों तक कठोर तप, त्याग और कठोरतम परिश्रम करना पड़ता था तब कहीं जाकर सामाजिक मान्यता प्राप्त हो पाती थी। आज वह सब कुछ करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ भौतिक समृद्धि पा लो, कुछ अनुचर पाल लो, पूंजीवादियों का दामन थाम लो, बाकी सब कुछ अपने आप मिल जाएगा। अनुचरों की जमात भी मिल जाएगी और परिक्रमा कर जयगान करने वाले नर्तक भी भारी संख्या में तैयार हो जाएंगे। इसी मानसिकता ने आज समाज-जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को इतना अधिक प्रदूषित कर दिया है कि ईमानदार, कर्त्तव्यनिष्ठ और मेहनती लोगों के लिए अपने अस्तित्व और प्रतिष्ठा को बचाए रखने का संकट पैदा हो गया है।

तकरीबन हर बाड़े में मुर्दाल मनहूसों और शातिरों का साया पसरा हुआ है। अंधेरों से अंधेरों की कड़ी से कड़ी हर कहीं मिली होती है इसलिए अंधेरों की सियासत करने वाले लोग उलूक और चमगादड़ की तरह हर तरफ डेरा डाले बैठे रहते हैं। मजाल है कि रोशनी का कोई छोटा सा कतरा उनके बाड़ों और गलियारों में झाँक भी ले। दुनिया में सभी अच्छे लोग यदि दु:खी और आप्त हैं तो और किसी घटना-दुर्घटना या अभाव से नहीं, बल्कि पराश्रित, परजीवी लोगों से परेशान हैं जो अपने नम्बर बढ़ाने, अपनी चवन्नियाँ चलाने और खुद की वाहवाही कराते हुए पुरुषार्थी, निष्ठावान और ईमानदार लोगों को परेशान कर उन्हें नीचा दिखाने के लिए हर क्षण प्रयत्नशील रहते हैं। आज हर तरफ मनहूस और शातिरों का जाल है। इन्हें कोई पसंद नहीं करता किन्तु कब इनसे ही काम पड़ जाए, इस चक्कर में इनसे ऊपरी तौर पर नाता जोड़े रखते हैं। इन मनहूस, शातिर और विघ्नसंतोषी लोगों का मूलमंत्र यही है कि अपना उल्लू सीधा करते रहो और सज्जनों को किसी न किसी प्रकार उलझाये रखकर खुद मस्त रहो। समाज की इस भयावह और विद्रुपताओं से भरी दुरावस्था में भला इसी में है कि मनहूस और शातिर लोगों से सतर्क रहें, इनके झाँसे में न आएं। स्वकर्म के प्रति निष्ठावान रहते हुए गीता के कर्मयोग हम सभी का पहला फर्ज यही है कि दुष्टों से सज्जनों की रक्षा करना।

सादगी और नैतिकता के पर्याय थे शास्त्रीजी

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हें याद करते हुए हम व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन में नैतिक पतन को रोक सकें, यही उस महापुरूष के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मसूरी स्थित भारतीय प्रशासन अकादमी के साथ लाल बहादुरजी का नाम इसीलिए जोड़ा गया, ताकि वहां से प्रशिक्षण प्राप्त अधिकारी उन्हीं की तरह दक्ष, निष्पक्ष और नैतिकता से प्रेरित होकर जन समस्याओं को सुलझाएं लेकिन क्या आज ऐसा हो रहा है?

उर्वशी शर्मा

एक 'स्वप्नदर्शी 'की जगह 'यथार्थवादी' का आगमन भारत के लिए तो नहीं, पर दुनिया के लिए जरूर अचंभित करने वाला था। प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू के अवसान के बाद एक लालबहादुर शास्त्री ही थे, जो सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री बन सकते थे। हालांकि मैदान में मोरारजी देसाई और जगजीवन राम भी थे। शास्त्रीजी भारत के पहले ऐसे प्रधानमंत्री हुए, जिसे पद ने कभी सम्मोहित नहीं किया, बल्कि जिस पद पर भी वे रहे, उसे नई गरिमा प्रदान की।

2 अक्टूबर 1904 को मुगलसराय के एक साधारण कायस्थ परिवार में जन्मे लालबहादुर का बचपन अभावों में बीता। यही वजह है कि गरीबों के प्रति उनके मन में असीम करुणा थी। बचपन में उनके पास इतना भी पैसा नहीं होता था कि वे नाव में बैठकर गंगा पार पढ़ने जाएं, इसलिए उन्हें तैरकर ही जाना होता था। यह जुझारू जज्बा और मुखरित हुआ, जब असहयोग आंदोलन के दौरान वर्ष 1921 में वाराणसी में गांधीजी के आह्वान पर यह नौजवान अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तत्पर हो गया। ढाई साल जेल में काटने के बाद उन्होंने काशी विद्यापीठ में पुन: अध्ययन प्रारंभ किया और दर्शन व संस्कृत में विशिष्टता प्राप्त कर 'शास्त्री' की उपाधि पाई। लाला लाजपतराय के लोकसेवक मंडल के सदस्य एवं बाद में उसके अध्यक्ष बनने पर उन्होंने हरिजनोत्थान का कार्य किया। देश की आजादी के बाद प्रधानमंत्री पं.नेहरू ने उन्हें पहले केंद्रीय मंत्रिमंडल में रेल और परिवहन मंत्री बनाया। बाद में वे यातायात व संचार मंत्री बने और तत्पश्चात उन्हें वाणिज्य और उद्योग विभाग सौंपा गया। उन्होंने स्व-राष्ट्र मंत्रालय (गृह मंत्रालय) का कार्यभार भी संभाला।

1952 में आरियालूर रेल दुर्घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए उन्होंने रेलमंत्री पद से त्यागपत्र देकर नई परिपाटी कायम की थी। उनके मीडिया सलाहकार रहे कुलदीप नैयर ने इस प्रकरण के बारे में लिखा था कि तब वे एक अंधेरे कमरे में बैठ गए थे और कहा था कि एक सांसद के पास इतना वेतन भत्ता नहीं होता कि वह चकाचौंध में रह सके। उनकी कर्तव्यनिष्ठा और नैतिकता तो अब मिसाल बनकर रह गई है। प्रधानमंत्री बनने पर वे 10 जनपथ स्थित अपने आवास से रोज खुद अपनी फाइलें लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय जाया करते थे। उन्होंने कर्ज लेकर तब एक कार खरीदी थी, जिसकी किश्त वे चुका नहीं पाए और अंत में वह नीलाम कर दी गई। पहले यात्री रेलों में चार श्रेणियां होती थीं। शास्त्रीजी को सर्व-सुविधायुक्त प्रथम श्रेणी मंजूर नहीं थी, लिहाजा रेलमंत्री रहते हुए उन्होंने इसे तीन श्रेणियों में बांटा और तब तृतीय श्रेणा में भी पंखे की व्यवस्था मुसाफिरों के लिए की गई। वे उच्च कोटि के विचारक, प्रशासक और राजनीतिज्ञ थे। जहां गृहमंत्री रहते हुए उन्होंने असम के भाषा-विवाद, भारत-नेपाल संबंध की भांति तथा कश्मीर के हजरतबल दरगाह से पवित्र बाल की चोरी का मसला अपनी दूरदर्शिता, प्रतिभा एवं राजनीतिक अंतरदृष्टि से सुलझाकर षड्यंत्रकारियों के नापाक इरादों पर पानी फेर दिया, वहीं बतौर प्रधानमंत्री उन्होंने काहिरा सम्मेलन में भारत की तटस्थता, सह-अस्तित्व एवं नि:शस्त्रीकरण की नीति का प्रभावोत्पादक प्रतिपादन किया था। उन्होंने प्रधानमंत्री पद संभालते हुए कहा था - 'सबसे अधिक विकल करने वाली समस्या हमारे सामने गरीबी की है और मैं ऐसी समाज व्यवस्था स्थापित करने में योगदान दे गौरव अनुभव करूंगा, जो ज्यादा समतामूलक हो। अनुसूचित जातियों-जनजातियों के लिए खासतौर पर काम करना होगा, क्योंकि वे सदियों से तिरस्कृत हैं। हमें समाजवादी लोकतंत्र के आधार पर सुखी और सशक्त भारत का निर्माण करना है।' अन्न की कमी को दूर करने के लिए उन्होंने जहां संपन्न वर्ग से उपवास की अपील की थी, वहीं भारत-पाक युद्ध के समय कुशल नेतृत्व का परिचय देते हुए 'जय जवान, जय किसान' का नारा बुलंद कर भारत-चीन युद्ध में भारत को लगे धक्के से पुन: उबारा और देशवासियों को गौरवान्वित किया।

Happy Navratri

Mahesh Chandra Sharma
Director

Lakecity Buildtech Pvt. Ltd.

Office : 3rd Floor, 2-B, Hazareshwar Colony, Court Road, Udaipur-313 001
Residence : "Kaustubh", 1A, Navratna-Modern Link Road, Udaipur-313 001
(M) +91 9829040569 (O) +91 294- 2413003 (R) +91 294 2980030
E-mail : mcsharma.lakecitybuildtech@gmail.com

गुम न हो जाएं डाकघर खो न जाएं चिट्ठियां

विश्वभर में संचार को बढ़ाने के लिए 9 अक्टूबर 1874 को स्विट्जरलैंड में युनिवर्सल पोस्टल यूनियन की स्थापना हुई। इसी दिन को विश्व डाक दिवस के तौर पर मनाने की शुरुआत 1969 से हुई। भारत में 10 अक्टूबर को राष्ट्रीय डाक दिवस मनाया जाता है। भारतीय डाक विभाग 9-14 अक्टूबर तक विश्व डाक सप्ताह मनाता है।

मेधाविनी मोहन

बचपन की खूबसूरत यादों में एक डाकिया भी है। रोज तय वक्त पर साइकिल से डाकिए का आना, आकर घर की घंटी बजाना, पूरे घर में डाकिया आया है का शोर मच जाना, दौड़ लगाकर बाहर गेट के पास जाना, उसके झोले में से किसके नाम क्या निकलेगा अटकलें लगाना, उसके कुछ पकड़ाने पर भागते हुए घर के अंदर जाना और मम्मी को बताना..कि फलाने की चिट्ठिया आई है। कभी अंतर्देशीय, कभी पोस्टकार्ड, कभी बंद खुले लिफाफे। पापा ऑफिस से घर आकर सबसे पहले पूछते- कोई चिट्ठी आई क्या? जब जवाब हां में होता, तो उनके चेहरे पर मुस्कान आ जाती। वे अंदर जाकर सबसे पहले डाक ही पढ़ते। वे दिन अब बीत गए। पर याद बहुत आते हैं।

तीन महीनों का इंतजार कि कोई आएं और उन्हें ले जाए... क्या आपको पता है कि जब कोई डाक सही जगह पर नहीं पहुंचती या कोई उसे लौटा देता हैं, तो वह कहां जाती है अगर उस पर भेजने वाले का पता लिखा है तो उसके लौटने की संभावना रहती है। अगर नहीं तो फिर वह पहुंच जाती है अपने नए घर। यह नया घर है आरएलओ ऑफिस यानी रिटर्न्ड लेटर्स ऑफिस, जहां तीन महीने रूक कर वह इंतजार करती है कि कोई आए और उसे ले जाए। तीन महीनों तक अगर कोई नहीं आता तो डाक को नष्ट कर दिया जाता है। कुछ ऐसा ही होता है पार्सलों के साथ भी। बस फर्क यह है कि उन्हें ले जाने वाले का इंतजार एक साल तक किया जाता है और कोई नहीं आता, तो सामान की नीलामी कर दी जाती है। इसे डाक नष्ट करने और सामान की नीलामी करने का अधिकार यूं नहीं मिला। इंडियन पोस्ट ऑफिस एक्ट 1898 की धारा 39 में इसे यह अधिकार दिया गया है। 169 साल का हो गया भारतीय डाक विभाग सुख-दुःख का संदेश पहुंचाने वाले, चिट्ठियां कहीं हमेशा के लिए गुम न हो जाए, डर लगता है। संचार के तमाम तेज साधनों में भी इन जैसी बात कहां? डाक विभाग की शुरुआत भारत में 1 अक्टूबर 1854 को हुई। पर इसका मतलब यह नहीं कि इससे पहले चिट्ठियां कबूतर ही पहुंचाते थे। भारत में डाक का चलन 1766 में शुरु हो चुका था। 1773 में वारेन हेस्टिंग्स भारत के गवर्नर जनरल बने। अगले साल उन्होंने कोलकाता में देश के पहले डाकघर की स्थापना करवाई। जिसने 1854 में डाक विभाग का रूप ले लिया।

अब डाकिया कभी कभी ही दिखता है, पर उसे देखकर चेहरा खिल उठता है। मानो डाकिया नहीं, कोई अनजानी सी खुशखबरी हो। खत महज खत कहां होते हैं? वे ख्यालों, जज्बातों और वाक्यों के दस्तावेज होते थे। दिल यही करता है कि काश लौट आए खतों का वह गुजरा जमाना, जब डाकिया डाक लाता था और हम उसे जल्द-से-जल्द खोलने के लिए बेताब रहते थे।

बदल रहा है डाकिए का रूप

स्मार्टफोन, इंटरनेट के जमाने में अब डाकिया और डाकघर बदल गए हैं। डाक सेवाएं लेनी भी हो तो लोग स्पीड पोस्ट और रजिस्ट्री पर ज्यादा भरोसा करते हैं। चिट्ठियां तो अब लोग न के बराबर लिखते हैं, लेकिन आधिकारिक दस्तावेजों के आदान-प्रदान ने अभी भी डाक विभाग का महत्व बनाए रखा है। कुछ सरकारी नौकरियों की परीक्षाओं के प्रवेश पत्र, नियुक्ति पत्र वगैरह अभी डाक से आते हैं। रक्षाबंधन पर भी डाकिए का महत्व बढ़ जाता है। पर डाकियों की संख्या कम कर दिए जाने से समस्याएं भी हो रही है। वैसे सरकार एक तीर से दो निशाने साधने की कोशिश कर रही है। डाकियों के जरिए लोगों तक बैंक सेवाएं, सरकारी दवाएं या किसानों तक मुफ्त बीज जैसी चीजें या सुविधाएं पहुंचाने की योजनाएं बनती रहती है। इसलिए हाल ही में सूचना प्रौद्योगिकी की संसदीय समिति ने पोस्टमेन की बजाय डाकिए को पोस्ट पर्सन कहे जाने का सुझाव भी दिया है।

सत्य की विजय का प्रतीक दशहरा

हर्ष, उल्लास और विजय का पर्व है, दशहरा। असत्य को सत्य से व बुराई को अच्छाई से पराजित करने का प्रतीक पर्व है, दशहरा। इसे अश्विन मास की शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को मनाया जाता है, उसे विजया दशमी कहा गया है। भगवान श्रीराम ने इसी दिन रावण का वध किया था। यह दिवस किसी नए कार्य की शुरुआत के लिए अत्यंत शुभ माना गया है।

राजवीर

इस दिन नया कार्य शुरु करते हुए शस्त्र पूजा की जाती है। प्राचीन काल में राजा-महाराजा इस दिन विजय की प्रार्थना कर रणयात्रा के लिए प्रस्थान करते थे। दशहरा भगवान राम की विजय के रूप में मनाया जाए अथवा दुर्गा पूजा के रूप में दोनों ही रूपों में यह शक्ति पूजा का पर्व है, शस्त्र पूजन की तिथि है। भारतीय संस्कृति वीरता की पूजक और शौर्य उपासक है। व्यक्ति और समाज के रक्त में वीरता प्रकट हो इसलिए दशहरे का उत्सव रखा गया है। दशहरा पर्व दस प्रकार के पापों-काम, क्रोध, लोभ, मोह मद मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी के परित्याग की सदप्रेरणा प्रदान करता है।

सांस्कृतिक पक्षः भारत कृषि प्रधान देश है। जब किसान अपने खेत में सुनहरी फसल उगाकर अनाज रूपी संपत्ति घर लाता है तो वह उल्लास और उमंग से भरा रहता है। इस प्रसन्नता के अवसर पर वह भगवान की कृपा को मानता है और उसे प्रकट करने के लिए वह उसका पूजन करता हैं। देशभर में यह पर्व विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार से मनाया जाता है। महाराष्ट्र में इसे सिलंगण के नाम से सामाजिक महोत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। सायंकाल सभी ग्रामीण सुंदर नव वस्त्रों से सुसज्जित होकर गांव की सीमा पार कर शमी वृक्ष के पत्तों के रूप में स्वर्ण लूटकर अपने ग्राम में वापस आते हैं। फिर उस स्वर्ण का परस्पर आदान-प्रदान किया जाता है। दशहरे का उत्सव शक्ति और उसके अर्चन-अर्जन का उत्सव है। नवरात्रि के नौ दिन जगदम्बा की उपासना करके शक्तिशाली हुआ मनुष्य विजय प्राप्ति के लिए तत्पर रहता है। इस दृष्टि से दशहरे अर्थात विजय के लिए प्रस्थान का उत्सव आवश्यक भी है।

सर्वकार्य सिद्धिदायकः इस पर्व को मां भगवती के विजया नाम से भी विजयादशमी कहते हैं। इस दिन भगवान रामचन्द्र ने 14 वर्ष का वनवास भोगते हुए रावण का वध किया था। इसीलिए इस पर्व को विजयादशमी कहा जात हैं। ऐसा माना जाता है कि आश्विन शुक्ल दशमी को तारा उदय होने के समय विजय नामक मुर्हूत होता है। यह काल सर्वकार्य सिद्धिदायक होता है। ऐसा माना गया है कि शत्रु पर विजय पाने अथवा कार्यसिद्धी के लिए इसी समय प्रस्थान करना चाहिए। इस दिन श्रवण नक्षत्र का योग और भी अधिक शुभ माना गया है। दुर्योधन ने पांडवों को जुए में पराजित करके बारह वर्ष के वनवास के साथ तेरहवें वर्ष में अज्ञातवास की शर्त दी थी। तेरहवें वर्ष यदि उनका पता लग जाता तो उन्हें पुनः 12 बारह वर्ष का वनवास भोगना पड़ता। इसी अज्ञातवास में अर्जुन ने अपना धनुष एक शमी वृक्ष पर रखा था तथा स्वयं वृहन्नला वेश में राजा विराट के यहां नौकरी कर ली थी। जब गोरक्षा के लिए विराट के पुत्र धृष्टद्युम्न ने अर्जुन को अपने साथ लिया, तब अर्जुन ने शमी वृक्ष पर से अपने हथियार उठाकर शत्रुओं पर विजय प्राप्त की थी। विजयादशमी के दिन भगवान रामचन्द्रजी लंका पर चढ़ाई करने प्रस्थान करते समय शमी वृक्ष ने भगवान की विजय का उद्घोष किया था। विजयकाल में शमी पूजन इसलिए होता है।

शौर्य का प्रतीक

भारतीय संस्कृति सदा से ही वीरता व शौर्य की समर्थक रही है। प्रत्येक व्यक्ति और समाज के रूधिर में वीरता का प्रादुर्भाव हो, इस कारण से ही दशहरे का उत्सव मनाया जाता है। यदि कभी युद्ध अनिवार्य हो ही तब शत्रु के आक्रमण की प्रतीक्षा ना कर उस पर हमला कर उसका पराभव करना ही कुशल राजनीति है। भगवान राम के समय से ही यह दिन विजय प्रस्थान का प्रतीक निश्चित है। मराठा रत्न शिवाजी ने भी औरंगजेब के विरुद्ध इसी दिन प्रस्थान करके हिन्दू धर्म का रक्षण किया था।

हिंदी लाओ-देश बचाओ

साहित्य मंडल का हिंदी महाकुंभ

नाथद्वारा। प्रत्यूष ब्यूरो

साहित्य मंडल नाथद्वारा द्वारा गत दिनों आयोजित हिंदी लाओ, देश बचाओ कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसकी शुरुआत कथक नृत्यांगना रेणु गोरे की प्रस्तुति से शुरू हुई। मुख्य अतिथि अटल बिहारी वाजपेयी हिंदी विश्वविद्यालय भोपाल के कुलपति प्रोफेसर खेम सिंह डेहरिया ने हिंदी के सम्मान व प्रसार के लिए साहित्य मंडल की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता साहित्य मंडल के उपाध्यक्ष पंडित मदन मोहन शर्मा ने की। विशिष्ट अतिथि डॉक्टर रामनिवास मानव ने कहा कि हिंदी भाषा और साहित्य के प्रति साहित्य मंडल का समर्पण प्रशंसनीय है । साहित्य मंडल एक संस्था ही नहीं, हिंदी भाषा साहित्य का तीर्थ है। विशिष्ट अतिथि साहित्यकार डॉ राहुल (दिल्ली) द्वारा रचित 'अष्टछाप कवियों के विवेचक आचार्य भगवती प्रसाद देवपुरा' ग्रंथ का लोकार्पण भी किया गया। प्रोफेसर अशोक कुमार रूस्तगी, कासगंज, डॉक्टर अवधेश कुमार चांचौलिया ग्वालियर एवं डॉक्टर सुधा सिंह पटना ने हिंदी भाषा और वर्तमान राजनीति, कब बनेगी हिंदी राष्ट्रभाषा, बिहार के स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी भाषा का योगदान आदि विषयों पर विचार प्रस्तुत किये।

साहित्य मंडल के प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा व साहित्यकार नरेंद्र निर्मल, उमा दत्त भारद्वाज ने राम किशोर उपाध्याय दिल्ली, मनोज मानव बिजनौर, डॉक्टर हरि बल्लभ

सिंह आरसी जमशेदपुर, डॉक्टर अजय प्रसून लखनऊ, डॉ राधेश्याम मिश्रा कानपुर व आसमा कौल, श्रीनगर को हिंदी काव्य विभूषण की मानद उपाधि से अलंकृत किया । डॉ. योग्यता भार्गव अशोक नगर, डॉक्टर अर्चना श्रीवास्तव लखनऊ, डॉ अर्चना प्रकाश लखनऊ , डॉ. सुरेखा शर्मा गुरुग्राम, डॉ. मीरा सिंह फेलोडेल्फिया, डॉक्टर ममता बनर्जी दुर्गापुर, डॉक्टर उमाशंकर गुप्त कानपुर, मनोज शर्मा दिल्ली, अरनी रॉबर्ट्स धमतरी को हिंदी साहित्य भूषण की मानव उपाधि से संमलंकृत किया गया। डॉ ब्रह्मानंद तिवारी अवधूत मैनपुरी, डॉ.उपेंद्र नाथ शुक्ला सरस कानपुर, सतपाल सिंह सजग लाल कुआं, पवन कुमार यादव सुल्तानपुर, देवी प्रसाद पांडे प्रयागराज, राम रतन यादव खटीमा, अनिल कुमार वर्मा मधुर सुल्तानपुर, ध्वनि आमेटा ठाकुरदा, डॉ. कुसुम चौधरी लखनऊ, वीणा वैष्णव रागिनी कांकरोली को हिंदी काव्य भूषण की मानव उपाधि से विभूषित किया गया। सम्मानित साहित्यकारों को मंचस्थ अतिथियों द्वारा श्रीनाथजी की छवि, उपाधि पत्र, शॉल, दुपट्टा, मेवाड़ी पगड़ी, माला, श्रीनाथजी का प्रसाद, श्रीफल एवं कलम प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस आयोजन में देश-विदेश के साहित्यकारों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन प्रधानमंत्री श्याम प्रकाश देवपुरा ने व सम्मानित साहित्यकारों का परिचय भरतपुर के कवि हरि ओम हरि ने दिया। भीलवाड़ा के साहित्यकार वीरेंद्र लोढ़ा, रेखा स्मित, यमुना तिवारी व्यथित जमशेदपुर, कमल कपूर फरीदाबाद, विजय सिंह नाहटा जयपुर, डॉ. अन्नपूर्णा श्रीवास्तव पटना, डॉ. कांता भारती नारनौल, गोविंद त्रिपाठी चित्तौड़गढ़, डॉ. वेंकट गोवाड़ा हैदराबाद, श्री राम कुमार मुंबई, डॉक्टर राधा एस हैदराबाद आदि साहित्यकार भी मौजूद थे।

बालवाटिका विशेषांक का लोकार्पण

भीलवाड़ा। बाल वाटिका मासिक के बाल साहित्य पुरोधाओं पर केन्द्रित विशेषांकों की शृंखला में प्रकाशित सितम्बर का अंक प्रख्यात बाल साहित्य रचनाकार जगदीशचन्द्र शर्मा गिलूंड पर केन्द्रित है। इसका लोकार्पण उनके निवास पर अंचल के साहित्यकारों की उपस्थिति में किया गया। विशिष्ट अतिथि कथाकार माधव नागदा ने कहा कि जगदीशचन्द्र शर्मा ने हिंदी बाल साहित्य जगत को चालीस काव्य कृतियां प्रदान की हैं। मुख्य अतिथि शिव मृदुल ने शर्मा की रचना प्रक्रिया व लेखकीय प्रतिभा को रेखांकित किया। कार्यक्रम अध्यक्ष बालवाटिका के संपादक डॉ. भैरूलाल गर्ग ने कहा कि जगदीशचन्द्र शर्मा, जीवनभर मूल्यपरक साहित्य के सर्जन में समर्पित रहे। मेवाड़ अंचल के नंदकिशोर निर्झर, डॉ. रमेश मंयक, डॉ. सत्यनारायण सत्य, नगेन्द्र मेहता, शिवनारायण शर्मा, हरिशंकर व्यास, योगेश जानी, फतहसिंह लोढ़ा, श्यामसुंदर तिवाड़ी, बसंतकुमार तिवाड़ी, बसंतकुमार त्रिपाठी, विवेक शर्मा, विद्यावती आदि बाल साहित्य रचनाकारों एवं शिक्षाविदों ने भी इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। संदर्भ समीक्षा समिति के महासचिव वीरेंद्र लोढ़ा एवं अतिथियों ने जगदीशचन्द्र शर्मा को उत्तरीय, शॉल और माल्यार्पण कर अभिनंदन किया। जगदीशचन्द्र शर्मा ने अपने सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। संचालन रेखा लोढ़ा स्मित ने किया।

अनुवाद सांस्कृतिक पुल : कुंदन माली

उदयपुर। साहित्यकार प्रो. कुंदन माली ने कहा कि साहित्य की अन्य विधाओं की अपेक्षा कविता का अनुवाद कठिन होता है। ऐसा इसलिए कि प्रत्येक पाठक के अनुसार कविता के कई अर्थ निकलते हैं, किंतु कहानी निबंध आदि में अर्थ सीमित होते हैं।

पिछले दिनों राजस्थान साहित्य अकादमी द्वारा बारां में आयोजित लेखक से मिलिए कार्यक्रम में माली ने यह विचार कहानीकार एवं सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उदयपुर के सहायक निदेशक गौरीकांत शर्मा से बातचीत में व्यक्त किए। हिंदी प्रचारिणी सभा भवन में आयोजित कार्यक्रम में गौरीकांत द्वारा माली की रचना यात्रा को लेकर लम्बी बातचीत की गई। माली ने बताया कि उदयपुर के किसान परिवार में उनका जन्म हुआ। शिक्षा और साहित्य की ओर उनका बचपन से लगाव रहा। जमीन से जुड़े रहने के कारण ही उनकी कविताओं में चुटीलापन और व्यवस्था के प्रति आक्रोश का भाव दिखाई देता है। गुजराती से हिंदी, हिंदी से गुजराती, गुजराती से राजस्थानी, अंग्रेजी से हिंदी भाषा में अनुवार कर चुके कुंदन माली ने अनुवाद को सांस्कृतिक पुल बताया और कहा कि अनुवाद में एक भाषा की संस्कृति दूसरी भाषा में स्वत: चली आती है। अकादमी अध्यक्ष दुलाराम सहारण ने अकादमी की गतिविधियों को राज्य के हर जिले और हर साहित्यकार तक पहुंचाने का अपना संकल्प दोहराया।

Happy Navratri

Deepak Bordia
Chartered Engineer, M.I.E., F.I.V.
Approved Valuer

BORDIA & ASSOCIATES

ARCHITECTURAL DESIGNER,
PLANNER & BUILDER EXECUTE
ALL KIND OF CIVIL ENGINEERING WORKS

211, Shubham Complex 11-A New Fatehpura, Near Sukhadia Circle,
Udaipur - 313 001 (Raj.) e-mail: deepakbordia@yahoo.com
Mob.: 94141-65465, Ph.: 2419465 (O), 2524202 (R)

शाकाहारी खानपान से ही बढ़ेगी इम्यूनिटी

हर चीज की कीमत समय आने पर ही पता चलती है। कोविड ने हमें स्वस्थ शरीर का महत्व समझा दिया है। दौलत और शोहरत भी तभी काम की है, जब हमारा तन-मन स्वस्थ हो।

संग्राम सिंह

इन दिनों इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए कई तरह के उपाय बताए जा रहे हैं। इस मामले में अपनी ढपली-अपना राग वाली स्थिति है। इम्यूनिटी के नाम पर बड़ा बाजार खड़ा हो गया है। लोग इम्यूनिटी बढ़ाने की चाह में अपनी जेब भी ढीली कर रहे हैं और कई बार अनुचित दवाओं से अपना नुकसान भी कर रहे है। बेहतर तो यह है कि कोई भी दवा लेने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह जरूर लें। इस बात को समझना होगा कि इम्यूनिटी एक दिन में विकसित नहीं होती। यह हमारी बेहतर दिनचर्या और खानपान का परिणाम होती है। हर चीज की कीमत समय आने पर पता चलती है। कोविड ने हमें स्वस्थ शरीर का महत्व समझा दिया है। दौलत और शोहरत भी तभी काम की है, जब हमारा शरीर स्वस्थ हो। इसलिए शरीर को स्वस्थ रखना सबसे जरूरी है। यदि शरीर की इम्यूनिटी अच्छी हो तो कोरोना तो क्या किसी भी बीमारी से डरने की जरूरत नहीं है। हमारे शरीर में कोरोना से भी ज्यादा गंभीर रोगों से लड़ने की क्षमता है, लेकिन गलत जीवनशैली और खानपान से हम इस क्षमता को कमजोर कर लेते हैं। हम

भाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म भारत जैसे देश में हुआ है, जहां शाकाहारी भोजन पर जोर दिया गया है, क्योंकि वह इम्यूनिटी को मजबूत करता है। हमारे देश में ऐसी कई चीजें है जो इम्यूनिटी को बढ़ाती हैं और बहुत आसानी से मिल भी जाती हैं। हल्दी, तुलसी, नीम, आंवला सभी चीजें इम्यूनिटी बढ़ाने में रामबाण हैं। विटामिन ए के लिए दूध पीएं। विटामिन सी के लिए आंवला खाएं। विटामिन बी-12 के लिए हरी सब्जियां ले सकते हैं। गांवों में घी, दूध, छाछ, लस्सी जैसी चीजें बहुत आसानी से मिलती हैं। इनका सेवन इम्यूनिटी को बढ़ाता है।

यह बात गांठ बांध कर रख लें कि प्राकृतिक आहार-विहार से ही शरीर की इम्यूनिटी बढ़ेगी। इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए खुश रहने की कोशिश करें। वजन न बढ़ने दें। भूख लगने पर ही घर का बना खाना खाएं। फास्ट फूड से बचें। ब्रेकफास्ट में तली हुई चीजें न खाएं। फल, छाछ और नारियल पानी लें। इम्यूनिटी धीरे-धीरे बढ़ेगी। खाना बैठकर खाएं। पानी भी बैठकर पीएं। सुबह शाम शौच के लिए जरूर जाएं। पेट साफ रहेगा तो बीमारी नहीं होगी। खाना खाने से एक घंटे पहले और खाने के एक घंटे बाद पानी पीएं। मौसम के अनुसार अनार सेब, पालक आदि का जूस पी सकते हैं। तनाव में न रहें, आत्मविश्वास रखें। अपने आप पर भरोसा करें। कुछ लोग अपनी दिनचर्या ठीक नहीं रखते और मेडिसन पर ज्यादा भरोसा करते हैं। यह गलत प्रवृत्ति है। ईश्वर पर भरोसा करें। विज्ञान अपनी जगह है, लेकिन वह प्रकृति की जगह नहीं ले सकता। प्राणायाम, सूर्य नमस्कार करें।

(लेखक इंटरनेशनल प्रोफेशनल रेसलर और हेल्थ गुरु हैं)

समीक्षा

तुम पूजित में अर्पित

राजस्थान साहित्य अकादमी के आर्थिक सहयोग से प्रकाशित दीपा पन्त 'शीतल' का तुम पूजित में अर्पित सद्य प्रकाशित काव्य संग्रह है। जिसे उन्होंने अपने बाबूजी को समर्पित किया है। संग्रह में सौ कविताएं हैं। जिनमें कवयित्री ने मानव मन की भावनाओं को बड़ी सहजता व सरलता से उकेरा है। अपने बचपन से लेकर अब तक के सफर पर पैनी नजर रखते हुए पारिवारिक सामाजिक संगतियों व विसंगतियों पर कहीं प्रेम तो कहीं उदारता, कहीं उपमा तो कहीं शिकायत के साथ व्यंग्य के भाव को भी शब्दों में पिरोया है। प्रथम कविता दिव्य भाव से अंतिम कविता ध्वज तिरंगा फहराए तक लेखिका आध्यात्म से देशभक्ति तवक विभिन्न रसों को स्पर्श करती हुई नई काव्यात्मक अनुभूति करवाती हैं। प्रकृति के सुखद पहलुओं को उजागर करती कविताएं प्रकृति की व्यथा, हमारी झीलें, धवल हिमालय, चांद और जमीन, मैं वही सड़क हूं, *पाहुन आया बसंत* प्रमुख है। बोधि प्रकाशन, जयपुर से प्रकाशित इस काव्य संग्रह की शीर्षक कविता तुम पूजित मैं अर्पित में प्रेम एक समर्पण की परिभाषा है स्वाभाविकता से अभिव्यक्त हुआ है। यथा- तुम कथन में निरूत्तर तुम प्रश्न में प्रत्युत्तर तुम मुझ में विलीन से मैं तुममें ओत प्रोत हूं। आध्यात्म और जीवन दर्शन से जुड़ी कविताएं होली के रंगों सा मैं दीप हूं, हद, ख्वाहिश, दिल चाहता है ईश्वर का एहसास इतना अधूरा कर दे मुझे-में ईश्वर की भक्ति और श्रद्धा के साथ मानसिक स्थिरता अस्तित्व के बीच का संघर्ष परिभासित होता है। डॉक्टर एक देवदूत रामा महाराणा प्रताप रक्षण कविताएं प्रभावी बन पड़ी हैं। बाबू, विशेष हो तुम मां कविताओं में अनेक भावों के साथ आपने अपनी आसक्ति व्यक्त की है तथा अपने माता-पिता के प्रति अमिट समर्पण का भाव अवस्थित किया है। एक चिड़िया कविता में गांव की खुशबू से कंक्रीट के शहर में तब्दील होती जीवन शैली को बहुत ही मनोयोग से दर्शाया है। रिश्ते कविता में आजकल के रिश्ते पर कहती हैं- टाइल्स में वक्त पर नए-नए रूप चढ़ते हैं, रिश्ते वक्त की असाध्य व्याधि से तिल-तिल रोज मरते हैं बड़ी हसरत थी और जरूरी है की पंक्ति अत्यंत प्रभावित है करती है- थककर लौटती हूं जब घर बस मकान मिलता है बच्ची सो जाती है बतियाने को मुझे बिखरा सामान मिलता है अखबार हो गया है तू बस सुबह शाम मिलता है। अनेक भाव अतुलित संवेदनाएं मानव मन में प्रफुल्लता के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता व चेतनता भर देती है। आत्मिक भाव से समृद्ध कविताओं का यह शब्द गुच्छ संदेश परक और श्लाघनीय है। लेखिका ने संगीत की शिक्षा ली है और स्वयं मधुर कंठ की स्वामिनी है अत: काव्यात्मक रचनाओं में सांगितिक प्रवाह है, गेयता है। पूर्ण छंद और रचना विधान की न्यूनता के बावजूद लेखिका में अनेक संभवनाओं की झलक परिदृश्य हो रही है। पुस्तक का आवरण आकर्षक है। दीपा जी के इस काव्य संग्रह का निश्चित रूप से स्वागत होगा। बधाई।

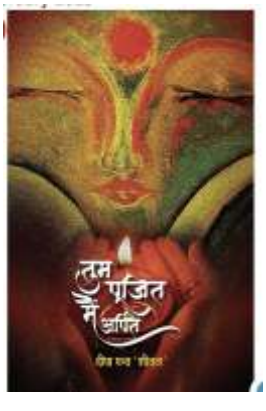

प्रमिला शरद व्यास

www.newtrackoffset.com
www.udaipurpalace.com

मन बना चुकी जनता, भाजपा को सिखाएगी सबक

राजस्थान में सरकार रिपीट होकर रहेगी: गहलोत

अशोक तम्बोली/गोपाल जाट

राजस्थान में नवम्बर-दिसंबर में होने वाले विधान सभा चुनाव में पूरी तैयारी के साथ मैदान में उतरने के लिए कांग्रेस और भाजपा ने शंख फूंक दिया है। दोनों ही दलों के बड़े नेता यात्राओं और दौरों के जरिए हर जिले में पहुंचकर अपने कामों का बखान करते हुए जीत के दावे ठोक रहे हैं।

राज्य में गुटों में बटी भाजपा को जहां मोदी नाम के सहारे वैतरणी पार कर लेने की उम्मीद है, वहीं कांग्रेस मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा हर वर्ग-तबके लिए घोषित लाभकारी योजनाओं के सहारे फिर से सत्ता पर काबिज होने के प्रति आश्वस्त दिखाई दे रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत राजस्थान के हर कोने में जा रहे हैं, कार्यकर्ताओं को जगा रहे हैं, रूठों को मना रहे हैं। उनकी कार्यशैली, योजनाओं और लोकप्रियता को भुनाने के लिए कांग्रेस कार्यकर्ता भी एक जुट हैं।

पिछले दिनों राज्य के दौरे पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित बड़े नेता सभाएं कर चुके हैं और वे आश्वस्त हैं कि गहलोत सरकार फिर से रिपीट होगी। सोनिया गांधी के भी राजस्थान में प्रचार के लिए आने की भी संभावना है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे 6 सितम्बर को पहली बार राजस्थान दौरे पर आए। उन्होंने भीलवाड़ा जिले के गुलाबपुरा में किसान-पशुपालक सम्मेलन को संबोधित किया और डेयरी में पांच लाख लीटर के नए संयंत्र के उद्घाटन व मुख्यमंत्री कामधेनु पशु बीमा योजना का शुभारंभ किया। इस योजना के तहत प्रति परिवार दो दुधारू पशुओं का 40-40 हजार रूपए का निशुल्क बीमा होगा। खरगे ने केंद्र सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अगर मोदी से देश नहीं चलता तो वह कुर्सी छोड़ें हम देश चलाकर दिखाएंगे। पहले भी चलाया ही था। इंडिया गठबंधन नाम से मोदी घबरा गए हैं, हमने इंडिया का नाम संविधान के अनुरूप रखा है। इसमें उन्हें ऐतराज क्यों है। केन्द्र सरकार लोगों की मदद नहीं कर सकती तो वह किस काम की ?

खरगे की सभा से पूर्व राहुल गांधी भी बासंवाड़ा के मानगढ़ में विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) पर एक महती चुनावी सभा को सम्बोधित कर चुके हैं। दरअसल राजस्थान के सत्ता समीकरण प्राय: मेवाड़ - वागड़ के चुनाव परिणामों से ही प्रभावित होते रहे हैं। इस बार मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा राज्य में प्रत्येक तबके के समग्र विकास के लिए विभिन्न बोर्डो के गठन व कल्याणकारी घोषणाओं के कारण कांग्रेस निश्चिंत है कि इस बार मतदाता परिपाटी को बदलते हुए कांग्रेस को पुन: सत्ता सौपेंगे। यही वजह है कि कांग्रेस आलाकमान का ध्यान भी राजस्थान पर पूरी तरह केन्द्रित है।

सरकार रिपीट होगी: गहलोत

पिछले दिनों हैदराबाद में सम्पन्न कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने पूरे आत्मविश्वास के साथ कहा कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होकर रहेगी। उन्होनें बताया कि राज्य में 25 लाख की चिरंजीवी योजना, 500 रूपए में रसोई गैस सिलेन्डर, महिलाओं को नि:शुल्क स्मार्ट फोन समेत सामाजिक हित की अनेक योजनाए लागू की गई हैं, जिनसे जनता खुश है और रूझान कांग्रेस की ओर है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने संवैधानिक संस्थाओं को खासा नुकसान पहुंचाया है। अब जनता चुनाव में इसका बदला लेगी।

प्रियंका का दौरा

प्रियंका गांधी भी 10 सितम्बर को टोंक जिले के निवाई विधान सभा क्षेत्र में चुनावी सभा को संबोधित कर चुकी हैं। उन्होनें आग्रह किया कि राज्य में भाजपा की सरकार आने पर गहलोत जी द्वारा जारी सभी जनहितकारी योजनाओं को बंद कर दिया जाएगा। ऐसा पहले हो चुका है। राजस्थान के विकास में मोदी सरकार का कोई योगदान नहीं है। उन्होंने राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में 1000 इन्दिरा रसोई योजना का भी शुभारंभ किया इन दौरों में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, प्रभारी महासचिव सुखजिन्दर सिंह रंधावा, विधान सभा अध्यक्ष डॉ. सी. पी. जोशी अ. भा. कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य महेन्द्रजीत सिंह मालवीय राजस्व मंत्री रामलाल जाट, पूर्व उप मुख्यमंत्री सचिन पायलट व अन्य केन्द्रीय व प्रदेश नेता मौजूद रहे। राजस्थान में अन्य जो बड़े नेता दौरा कर चुके हैं, उनमें अभय दुबे, आलोक शर्मा, बीरेन्द्र राठौड़, अमृता धवन, कांतिभाई पटेल, पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष शमशेर सिंह ढिल्लों एवं उत्तर प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय शामिल है।

एसआरजी एचएफएल नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध

उदयपुर। एसआरजी हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (एसआरजी एचएफएल) के निगमन के बाद से 25वें वर्ष में प्रवेश की पूर्व संध्या पर वित्त वर्ष 25 तक 750 करोड़ रुपए का एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) हासिल करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। कंपनी मुख्य रूप से पश्चिमी और मध्य भारत में ग्रामीण और अर्ध शहरी इलाकों में पर्याप्त सेवाओं और सुविधाओं से वंचित लोगों को सेवाएं दे रही है। कंपनी का वर्तमान

एयूएम 474.4 करोड़ रुपए है। एमडी विनोद जैन के कहा कि एनएसई पर हमारी लिस्टिंग एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हमने गहन विशेषज्ञता और अनुभव के साथ खुद को एक मजबूत खुदरा किफायती हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के रूप में स्थापित करने का निरंतर प्रयास किया है, ताकि सस्टेनेबल ग्रोथ को संभव बनाया जा सके। एनएसई लिस्टिंग समारोह में प्रमोटर निदेशक सीमा जैन, सीइओ अर्चिस जैन, सीएफओ अशोक मोदी, कंपनी सचिव दिव्या कोठारी आदि मौजूद रहे।

एमएसएमई को नए पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरत : बागला

उदयपुर। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को एक ऐसे व्यावसायिक

पारिस्थितिकी तंत्र की जरूरत है जो घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्द्धी मूल्य पर सही उत्पाद, सही गुणवत्ता और सही सेवा देने के लिए तैयार व्यवसायों को समर्थन दे। यह बात सीआईआई उदयपुर जोनल काउंसिल के अध्यक्ष कुनाल बागला ने उदयपुर चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के कार्यक्रम सेशन ऑन स्ट्रेन्थनिंग बिजनेस इकोसिस्टम इन राजस्थान में कही। प्रॉपर्टी गार्जियन इंफ्राकेयर प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक विष्णु गोयल ने मुख्यमंत्री लघु उद्योग प्रोत्साहन योजना (एमएलयूपीवाई) स्कीम के तहत दिए जाने वाले विभिन्न प्रोत्साहनों और छूटों के बारे में बताया। सीआईआई उदयपुर के उपाध्यक्ष और अरावली समूह के निदेशक सुनील लुनावत ने कहा कि उद्योग के लिए विभिन्न सरकारी नीतियों पर एक बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान आयोजित करने की आवश्यकता है। ताकि उद्योग राज्य के विकास में सक्रिय भूमिका निभा सकें। वेदांता लॉ चैम्बर्स जयपुर के फाउंडर पार्टनर निवेदिता और सारड़ा ने कम्पनी अधिनियम में बदलावों के बारे में बात की। एस सिद्दीकी, एवीपी, डिजिटलाइजेशन, हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड ने कहा कि हमें उद्योग क्षेत्र में विश्व स्तर पर हो रहे तकनीकी परिवर्तनों पर कड़ी नजर रखनी चाहिए।

उपभोक्ता भंडार: कॉप दिवाली फेस्ट योजना शुरू

उदयपुर। सहकारी उपभोक्ता भंडार में कॉप दिवाली फेस्ट योजना का शुभारंभ संभागीय आयुक्त राजेन्द्र भट्ट ने किया। भण्डार के महाप्रबंधक आशुतोष भट्ट ने बताया कि भण्डार के 60 वर्ष पूर्ण होने एवं डायमण्ड जुबली सेलिब्रेशन के साथ ही दीपावली त्योहार को ध्यान में रखते हुए कॉप दीपावली फेस्ट योजना शुरू की गई है। इस योजना के तहत 11 सितम्बर से दीपावली तक भण्डार के सभी सुपर मार्केट से उपभोक्ता द्वारा प्रत्येक 2000 रुपए की खरीद पर एक इनामी कूपन दिया जाएगा, जिसका ड्रा कम्प्यूटराइज्ड निकाला जाएगा।

आईएमए चुनाव, गुप्ता अध्यक्ष

उदयपुर। भारतीय चिकित्स संघ आईएमए की कार्यकारिणी 2023-25 के चुनाव संपन्न हुए। अध्यक्ष पद पर अरावली ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. आनंद गुप्ता व डमर्टिंड क्लीनिक के निदेशक डॉ. प्रशांत अग्रवाल को निर्विरोध सचिव पद के लिए चुना गया। आईएमए के चुनाव अधिकारी डॉ. एस.एस. गुप्ता ने बताया कि उपाध्यक्ष डॉ. अनुराग तलेसरा व डॉ. सुनीता आचार्य, संयुक्त सचिव डॉ. निशांत अश्विनी, ट्रेजरर डॉ. दीपक शाह को चुना गया। एक्जीक्यूटिव मेंबर डॉ. दीपक सेठिया, डॉ. राजवीरसिंह, डॉ. मिनल चुघ, डॉ. निलेश पतिरा, डॉ. मनोज अग्रवाल, सीनियर एडवाइजर के रूप में डॉ. एस.के. लुहाड़िया, डॉ. सीपी पुरोहित व डॉ. तरूण अग्रवाल, एडवाइजर के तौर पर डॉ. संजय गांधी, डॉ. अमित खंडेलवाल, डॉ. उमेश स्वर्णकार, डॉ. डेनी मंगलानी व डॉ. शिव कौशिक, एकेडमिक कॉऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. रवि भाटिया, डॉ. मनोज महाजन, डॉ. कनिष्क मेहता, डॉ. माहित गोयल के अलावा मेडिकल स्टूडेंट कोऑर्डिनेटर के तौर पर डॉ. भागराज चौधरी को चुना गया।

उदयपुर। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने पिछले दिनों इंडिया न्यूज के कार्यक्रम में युवा उद्यमी हितेश व्यास को मेवाड़ गौरव सम्मान प्रदान किया।

कलक्टर, सीएमएचओ और डीटीओ सम्मानित

उदयपुर। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत सब नेशनल लेवल सर्टिफिकेशन हेतु उदयपुर जिले को कांस्य पदक मिला है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा गत दिनों जयपुर में टीबी मुक्त राजस्थान सम्मेलन में जिला कलक्टर अरविंद पोसवाल, सीएमएचओ डॉ. शंकर बामनिया व जिला क्षय अधिकारी डॉ. आशुतोष सिंघल को संयुक्त रूप से राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

कटारिया को डी-लिट् की उपाधि

उदयपुर। राजस्थान विद्यापीठ की ओर से गत दिनों 18वें दीक्षांत समारोह में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को डी लिट् की मानद उपाधि से नवाजा गया। दीक्षांत समारोह में शिक्षा, भूगोल, सोशल वर्क, कम्प्यूटर एंड आईटी के 12 शोधार्थियों को उनके शोध कार्य के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई। कुलपति कर्नल प्रो. एसएस सारंगदेवोत ने विद्यापीठ विवि की अब तक की प्रगति के विभिन्न सोपानों की चर्चा करते हुए कटारिया का स्वागत किया। विशिष्ट अतिथि कुलप्रमुख बीएल गुर्जर

थे। अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय जानी ने की। दीक्षांत उद्बोधन में राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने विद्यापीठ के संस्थापक जनुभाई को याद करते हुए कहा कि मैं सौभाग्यशाली हूं कि जिस संस्थान में विद्यार्थी के रूप में आया और अध्यापन किया, वहां पर आज सम्मानित व दीक्षित हुआ हूं। आज मैं महामहिम की कुर्सी पर हूं यह विद्यापीठ की ही देन है। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, देहात जिलाध्यक्ष चन्द्रगुप्तसिंह चौहान, अतुल चंडालिया, रजिस्ट्रार डॉ. तरूण श्रीमाली, पीठ स्थविर डॉ. कौशल नागदा आदि मौजूद थे।

RAMADA
UDAIPUR RESORT & SPA

Rampura Circle, Kodiyat Road, Udaipur - 313 001
Tel. : 0294 3053800,9001298880 | Fax : 0294 3053900
reservations@ramadaudaipur.com | www.ramadaudaipur.com

आधुनिक भारत के शिल्पी वल्लभ भाई

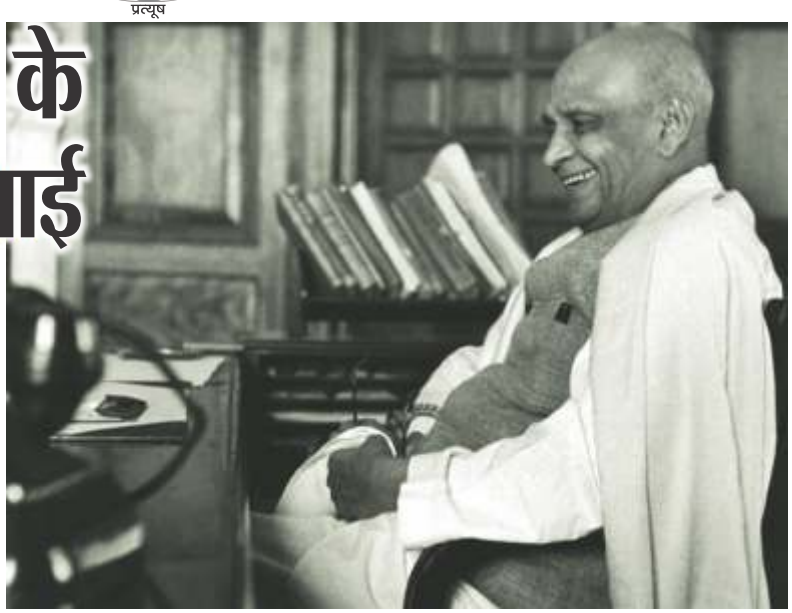

स्वतंत्र भारत के प्रथम उपप्रधानमंत्री (गृहमंत्री) सरदार वल्लभ भाई पटेल ने देशी रियासतों के भारत संघ में एकीकरण अथवा विलय में जिस सूझबूझ और दृढ़ता का परिचय दिया, वह अपने आप में एक अद्भुत कार्य था। देश के विकास में उनका योगदान भी अविस्मरणीय रहेगा।

रमेश सराफ धमोरा

भारत की आजादी और विकास में सरदार वल्लभ भाई पटेल के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वे नवीन भारत के निर्माता और राष्ट्रीय एकता के बेजोड़ शिल्पी थे। देश की आजादी के संघर्ष में उन्होंने जितना योगदान दिया उससे ज्यादा उन्होंने स्वतंत्र भारत को एकजुट करने में दिया। भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन को वैचारिक एवं क्रियात्मक रूप में एक नई दिशा देने के कारण सरदार पटेल ने राजनीतिक इतिहास में एक गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त किया। उनके कठोर व्यक्तित्व में संगठन कुशलता, राजनीति सत्ता तथा राष्ट्रीय एकता के प्रति अटूट निष्ठा थी। जिस अदम्य उत्साह व असीम शक्ति से उन्होंने नवजात गणराज्य की प्रारंभिक कठिनाइयों का समाधान किया, उसके कारण विश्व के समुदाय में उन्होंने अमिट स्थान बना लिया। स्वतंत्र भारत के गृहमंत्री बनने के बाद भारतीय रियासतों के विलय की जिम्मेदारी उन्हें ही सौंपी गई। उन्होंने छह सौ छोटी-बड़ी रियासतों का भारत में विलय कराया। देशी रियासतों का विलय स्वतंत्र भारत की पहली उपलब्धि थी और निर्विवाद रूप से पटेल का इसमें विशेष योगदान था। नीतिगत दृढ़ता के लिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने उन्हें सरदार और लौह पुरुष की उपाधि दी थी। वल्लभभाई पटेल का आजाद भारत को एक विशाल राष्ट्र बनाने में उल्लेखनीय योगदान रहा। स्वतंत्र भारत के पहले तीन वर्ष सरदार पटेल देश के उप-प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, सूचना प्रसारण मंत्री रहे। इस सबसे भी बढ़कर उनकी ख्याति भारत के रजवाड़ों को शांतिपूर्ण तरीके से भारतीय संघ में शामिल करने तथा भारत के राजनीतिक एकीकरण के कारण है। पटेल ने भारतीय संघ में उन रियासतों का विलय किया, जो स्वयं में सम्प्रभुता प्राप्त थी। उनका अलग झंडा और अलग शासन था। सरदार पटेल ने आजादी के पूर्व ही पीवी मेनन के साथ मिलकर कई देसी राज्यों को भारत में मिलाने के लिए कार्य आरंभ कर दिया था। पटेल और मेनन ने देसी राजाओं को बहुत समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना संभव नहीं होगा। इसके परिणामस्वरूप तीन रियासतें-हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष सभी रजवाड़ों ने स्वच्छा से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर शेष भारतीय रियासतें भारत संघ में शामिल हो चुकी थीं, जो भारतीय इतिहास की एक बड़ी उपलब्धि थी। जूनागढ़ के नवाब के विरुद्ध जब वहां की प्रजा ने विरोध कर दिया तो वह भागकर पाकिस्तान चला गया। जब हैदाराबाद के निजाम ने भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। भारत की यह रक्तहीन क्रांति थी। महात्मा गांधी ने सरदार पटेल को इन रियासतों के बारें में लिखा था, 'रियासतों की समस्या इतनी जटिल थी जिसे केवल तुम ही हल कर सकते थे।' लक्षद्वीप समूह को भारत में मिलाने में भी पटेल की महत्वपूर्ण भूमिका थी। इस क्षेत्र के लोग देश की मुख्यधारा से कटे हुए थे और उन्हें भारत की आजादी की जानकारी 15 अगस्त 1947 के कई दिनों बाद मिली। हालांकि यह क्षेत्र पाकिस्तान के नजदीक नहीं था, लेकिन पटेल को लगता था कि इस पर पाकिस्तान दावा कर सकता है। इसलिए ऐसी किसी भी स्थिति को टालने के लिए पटेल ने लक्षद्वीप में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए भारतीय नौसेना का एक जहाज भेजा। इसके कुछ घंटे बाद ही पाकिस्तान नौसेना के जहाज लक्षद्वीप के पास मंडराते देखे गए, लेकिन वहां भारत का झंडा लहराते देख उन्हें वापस लौटना पड़ा। जब चीन के प्रधानमंत्री चाऊ एन लाई ने जवाहरलाल नेहरू को पत्र लिखा कि वे तिब्बत को चीन का अंग मान लें तो पटेल ने नेहरू से आग्रह किया कि वे तिब्बत पर चीन का प्रभुत्व कतई न स्वीकारें अन्यथा चीन भारत के लिए खतरनाक सिद्ध होगा। जवाहरलाल नेहरू नहीं माने, बस इसी भूल के कारण चीन ने हमारी 40 हजार वर्गगज भूमि पर कब्जा कर लिया। सरदार पटेल के ऐतिहासिक कार्यों में सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण, गांधी स्मारक निधि की स्थापना, कमला नेहरू अस्पताल की रूपरेखा आदि कार्य सदैव स्मरण किए जाते रहेंगे। गृहमंत्री के रूप में वे पहले व्यक्ति थे, जिन्होंने भारतीय नागरिक सेवाओं (आईसीएस) का भारतीयकरण कर इन्हें भारतीय प्रशासनिक सेवाएं (आईएएस) बनाया। अंग्रेजों की सेवा करने वालों में विश्वास भरकर उन्हें राजभक्ति से देशभक्ति की ओर मोड़ा। यदि सरदार पटेल कुछ वर्ष जीवित रहते तो संभवत: नौकरशाही का पूर्ण कायाकल्प हो जाता। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 के लाहौर अधिवेशन में सरदार पटेल, महात्मा गांधी के बाद अध्यक्ष पद के दूसरे उम्मीदवार थे। गांधीजी ने स्वाधीनता के प्रस्ताव को स्वीकृत होने से रोकने के प्रयास में अध्यक्ष पद की दावेदारी छोड़ दी और पटेल पर भी नाम वापस लेने के लिए दबाव डाला। अंतत: जवाहरलाल नेहरू अध्यक्ष बने। 1930 में नमक सत्याग्रह के दौरान पटेल को तीन महीने की जेल हुई। मार्च 1931 में उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कराची अधिवेशन की अध्यक्षता की। जनवरी 1932 के चुनावों में उन्होंने कांग्रेस पार्टी के संगठन को व्यवस्थित किया।

विपीन जैन (डूंगरिया)
डायरेक्टर

Mob.: 9784679258

जैन

श्री आदिनाथ वेन्चर्स

सेनेट्री नल पाइप, फिटिंग्स एवं इलेक्ट्रीक आईटम के होलसेल रिटेल विक्रेता

PVC Pipe, Bath Fittings, Sanitary Ware, Electric Accessories,
Hand Tools, Water Tanks & Hardware

नोटः इलेक्ट्रीशियन और प्लंबर घर पर काम के लिए उपलब्ध है।

18, विनायक रेजिडेन्सी, रूपसागर रोड,
नागदा रेस्टोरेंट गली में यूनिवर्सिटी रोड, (उदयपुर)

2422758 (S)
2410683 (R)

T-JEWELLERS

Gold and Silver
Ornaments & Silver utensil

233 A, Bapu Bazar, Udaipur-313001

विचारों की शुद्धता का उत्सव कन्या पूजन

देवी का अर्थ है- निर्भयता व प्रकाश। इन दोनों के मेल से ही जीवन सार्थक होता है। देवी एक निर्भीक और शक्तिशाली स्त्री के रूप में अभिव्यक्त है। नवरात्रि में दुर्गाष्टमी पर शक्ति और कन्या पूजन को रेखांकित करता *सूर्यकांत द्विवेदी* का आलेख।

शक्ति उपासना या नवरात्रि में हम देवी भगवती के रूप में एक नारी शक्ति को साकार रूप देते हैं। देवी भगवती के कई रूप हैं। हर स्त्री में हम जगदंबा के दर्शन करते हैं। उनमें ही आद्य शक्ति का भाव शामिल करते हैं। इसलिए, नवरात्रि पर हम कन्या पूजन करते हैं। लेकिन कन्या पूजन क्यों? देवी शक्ति स्त्री शक्ति क्यों? पुरुष शक्ति क्यों नहीं। देवी शास्त्र में स्त्री को प्रकृति तत्व कहा गया है। एक शक्ति हैं और एक शक्तिमान । समस्त देवों की शक्ति स्त्री है।

देवी यानी प्रकाश। शक्ति यानी भयमुक्त जीवन। देवी भगवती यही दोनों तत्व किसी न किसी रूप से हर स्त्री में देखना चाहती हैं। देवी शास्त्र में स्त्री या देवी का अर्थ है- निर्भय स्त्री । निर्भय स्त्री ही देवी है, जो असुरों का संहार कर दे, जो देवताओं का कल्याण कर दे। जो जगत की जननी है, मां है, वही शक्ति है। देवी सूक्तम में देवी भगवती अपने विभिन्न रूपों के दर्शन कराती हैं। देवी कवच के माध्यम से वह समस्त प्राणियों के लिए रक्षा कवच प्रदान करती हैं। देवी भगवती दो मुख्य बातें कहती हैं। एक अपने मन को स्थिर रखो। दूसरे, स्वस्थ रहो। स्वस्थ मन ही स्वस्थ तन है। जिनमें ये दोनों स्वस्थ हैं, वह शक्ति को प्राप्त करता है। शक्ति किसमें है ? देवी कहती हैं कि शक्ति तो हरेक प्राणी में किसी न किसी रूप में विद्यमान है। बुद्धि भी हरेक प्राणी में होती है। अच्छे-बुरे का ज्ञान भी सभी में होता है। मनुष्य केवल इसलिए अलग है, क्योंकि उसके पास विवेक है, जो दूसरे प्राणियों में नहीं है। दुर्गा सप्तशती के माध्यम से देवी भगवती शक्ति के आयाम स्थापित करती हैं।

जगत जननी के सामने दो विषय आते हैं। एक को संतान ने घर से निकाल दिया। एक का शत्रुओं ने राजपाट छीन लिया। दोनों ही व्याकुल हैं। कुछ समझ में नहीं आ रहा कि क्या करें। मन मानने को तैयार नहीं है कि संतान या शत्रु भी ऐसा कर सकते हैं क्या? अपनों ने छल किया। सब कुछ छीन लिया। यही जीवन की आवृत्ति शोक दुख-भय का कारण बनती है। यहीं पर देवी कहती हैं कि इस चित्त को संभालो। यह माया-मोह है। इससे बाहर निकलो।

दुर्गा सप्तशती में देवी के रूपः ब्राह्मणी, महेश्वरी, कौमारी, वैष्णवी, वाराही, नरसिंही, ऐन्द्री, शिवदूती, भीमादेवी, भ्रामरी, शाकम्भरी, आदिशक्ति और रक्तदन्तिका बताए गए हैं।

नवरात्रि में कन्या पूजनः देवी एक शक्तिशाली स्त्री के रूप में अभिव्यक्त हैं। सिंह की सवारी है। अष्टभुजी हैं। शक्तिपुंज हैं, कल्याणी हैं, रुद्राणी हैं, सौभाग्य, आरोग्य प्रदायिनी हैं। दुर्गा सप्तशती के मध्यम चरित्र के अनुसार सारे देवता अपने सम्मिलित तेज और शस्त्र प्रदान करके एक देवी का निर्माण करते हैं। यही देवी महिषासुर का वध करती हैं। उत्तर चरित्र में वह शुम्भ-निशुम्भ के आतंक से देवताओं को मुक्त करती हैं। देवासुर संग्राम में विजय प्राप्त करने के बाद उनका शक्ति, मातृ, निद्रा, तृष्णा, क्षुधा और शांति के रूप में स्मरण किया जाता है। देवी भगवती पार्वती की देह से प्रकट होती हैं। यह सारी आवृत्तियां और वृत्तियां एक कन्या के रूप में देवी का निर्माण करती हैं।

पुराणों में स्त्री या कन्या का महत्वः सृष्टि को चलाने के लिए एक स्त्री आवश्यक थी। इसलिए, देवी पार्वती और भगवान शंकर का मांगलिक मिलन होता है। दोनों विवाह रचाते हैं। पुराणों में साठ दक्ष कन्याओं को उत्पन्न करने का उल्लेख मिलता है। वह सब देवों और ऋषियों की पत्नी हुईं। दक्ष का अर्थ है, दक्षता । यानी स्त्री को हर प्रकार से दक्ष बनाना। स्त्री में ही यह गुण ईश्वर प्रदत्त है कि वह एक समय में कई कार्य कर सकती है। इसलिए दक्ष उनके पिता हैं। साठ कन्याएं दक्ष की पुत्रियां । ऋगवेद में दक्ष से अदिति का जन्म हुआ और अदिति से दक्ष । देवीभागवत पुराण में कन्या की पुष्टि के 10 स्तर कहे गए हैं। देवी शास्त्र में कांति, दीप्ति व कम् गुण एक नारी में माने गए हैं। यानी कामना करने वाली, देदीप्त और कार्य को गति देने वाली। इसलिए, कन्या देवी का अवतार कही गई। अतएव नवरात्रि कन्या व मातृ शक्ति की आराधना का पर्व है।

नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

देवेन्द्र नागदा
डायरेक्टर

Bharat Petroleum

विशाल फिलिंग स्टेशन

प्रतापनगर, उदयपुर - 313001 (राज.)
फोनः 0294-2491360, 2492870 (पम्प), मो.: 94141-57870

सीसारमा, उदयपुर (राज.) फोनः 0294-2430819

Mahesh Kumar Dodeja
Director

Happy Navratri

SHISHU RANJAN

Outside Delhigate, Udaipur - 313 001 (Raj.)
Tel. : 0294 - 2529504 (S), 0294 - 2413461 (R), Mob.: 9829887900

चांदी और तांबे के पैर शुभ फलदायी

डॉ. संजीव कुमार शर्मा

व्यक्ति के जीवन में कुंडली का विशेष महत्व है। किसी भी कुंडली में चन्द्रमा की स्थिति से ही पाया अथवा पैर का पता चलता है। कुंडली में फलाफल में पैरों का चार तरह से उल्लेख है- चांदी, तांबे, सोने और लोहे के पैर।

कुंडली में चांदी के पैर सबसे ज्यादा शुभ माने जाते हैं। ऐसा व्यक्ति खूब मान-सम्मान अर्जित करता है और स्वस्थ भी रहता है। चांदी के पैर वाला व्यक्ति माता-पिता के लिए भी शुभ रहता है। तांबे के पैर वाला व्यक्ति अच्छी सोच का स्वामी होता है। ऐसा व्यक्ति उत्साह से भरा रहता है। निडर व अडिग सोच का स्वामी होता है। वह बड़ी सोच के साथ हमेशा आगे बढ़ता है। सोने के पैर वाला व्यक्ति मामा के लिए अशुभ कहा जाता है, परंतु अन्य ग्रहों की वजह से भी कुंडली प्रभावित होती है। अत: ऐसे व्यक्ति को अपने वजन के बराबर मक्का तोलकर उसके नौ हिस्से कर लेने चाहिए व हर अमावस्या को एक हिस्सा कबूतरों को खिलाना चाहिए। इससे दोष में कमी आती है। लोहे के पैर अशुभ माने जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को कठिनाइयों से भरा जीवन बिताना पड़ सकता है। ऐसे जातकों को कई बार मेहनत के बाद भी इच्छित फल नहीं मिलता। इन्हें शनि देव की पूजा करनी चाहिए। प्रत्येक शनिवार उड़द की दाल दान करने, कुत्तों को भोजन कराने व घायल पशु का उपचार कराने से लोहे के पैर की अशुभता में कमी आती है। पहचानें आपका कौन-सा पैर है-

कुंडली में चंद्रमा दूसरे, पंचम या नवम भाव में है तो चांदी के पैर हैं।

कुंडली में तीसरे, सप्तम या दशम भाव में चंद्रमा है तो तांबे के पैर हैं।

कुंडली में चंद्रमा पहले, छठे या एकादश भाव में है, तो सोने के पैर हैं।

कुंडली में चंद्रमा चतुर्थ, अष्टम या द्वादश भाव में हैं, तो लोहे के पैर हैं।

पैरों का अपना एक अलग महत्व है, लेकिन कुंडली में इनके पूरे प्रभाव को जानने के लिए पैरों के साथ बाकी ग्रहों की स्थिति की भी पूर्ण जानकारी होना जरूरी है।

मांगलिक दोष से न हों भयभीत

कुंडली में जब मंगल प्रथम, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम या द्वादश भाव में विराजमान हो तो व्यक्ति मांगलिक होता है। प्रथम भाव व्यक्ति के स्वास्थ्य का, चतुर्थ भाव माता का, सप्तम जीवन साथी का, अष्टम मृत्यु तुल्य कष्ट का, द्वादश भाव जेल व अस्पताल के खर्चों का होता है। मंगल अष्टम या द्वादश भाव में 4 डिग्री से 26 डिग्री तक मारक होता है। ऐसा मांगलिक दोष वास्तव में विचारणीय है। यहां मांगलिक की शादी मांगलिक से ही करनी चाहिए। तथा मंगल मारक होकर सप्तम भाव में शनि या किसी पाप ग्रह के साथ बैठा है तो भी मांगलिक का विवाह मांगलिक से करना चाहिए। प्रथम व चतुर्थ भाव के मांगलिक जातक को दांपत्य जीवन में बहुत ज्यादा कष्ट का सामना नहीं करना पड़ता। जीवन साथी के मांगलिक नहीं होने पर भी कुछ नियमों के अंतर्गत मांगलिक दोष स्वत: समाप्त हो जाता है। मंगल सूर्य से अस्त हो जाए तो मांगलिक दोष प्रभावहीन हो जाएगा। अगर मंगल योगकारक है तो भी मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है। मंगल सप्तम भाव में मारक होकर भी बैठा है और सप्तम भाव का स्वामी मंगल के साथ अपने घर में है, तो मांगलिक दोष प्रभावहीन हो जाएगा। मंगल बृहस्पति के साथ बैठा है या बृहस्पति की पंचम, सप्तम या नवम दृष्टि मंगल पर हो, तो भी मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है। मंगल मेष या वृश्चिक राशि में हो तो भी मांगलिक दोष समाप्त माना जाता है। मंगल मकर राशि में हो तो मांगलिक दोष निरस्त हो जाता है। मंगल एक, दो या तीन डिग्री या 28 से 30 डिग्री का हो, तो भी मंगल कमजोर होगा और मांगलिक दोष नहीं होगा। वर-वधू में कोई भी एक मांगलिक है और दूसरा नहीं है तथा कुंडली मिलाने पर 27 या ज्यादा गुण मिलते हैं, तो भी मांगलिक दोष नहीं होता है। मंगल पर सप्तमेश की दृष्टि होती है, तो भी मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है। ऐसा माना जाता है कि कुंभ, केले या पीपल के वृक्ष से पहले विवाह कराकर फिर विवाह कराया जाए तो मांगलिक दोष का असर कम हो जाता है।

Hotel
Raghu Mahal

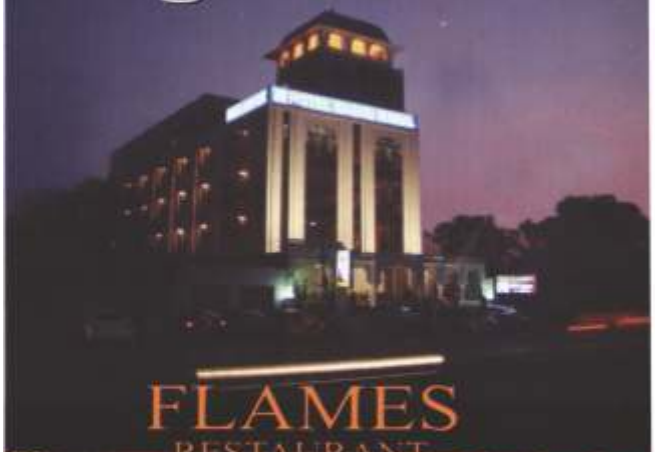

FLAMES
RESTAURANT

Accommodation
Super Deluxe Room - 20
Executive Deluxe Room- 06
Suites Room- 04

Facilities
Multi cuisine Restaurant, 24 hours Room services, 12 hour bar services, Elevator Facility, Fax, E-mail & Internet surfing, Travel Desk, Same day postal/ courier services, Foreign currency Exchange, Rent a car, Major Credit card accepted, Ample Parking Facility.

93, Saraswati Marg, Darshanpura, Airport Road
Udaipur - 313001(Raj.), INDIA.
Tel. +91 - 0294-2425690 - 94 Fax. 2410383 Mobile 09414158374
email: raghumahalhotels@gmail.com Website: www.raghumahalhotels.com

Pavan Roat
Director
94141 69583

नए गैस कनेक्शन तुरन्त उपलब्ध है

जी हाँ!

HP GAS
SURYA GAS AGENCY

HP GAS

19 K.G. गैस सिलेण्डर मांगलिक कार्यक्रम एवं व्यवसायिक उपयोग हेतु सम्पर्क करें।

12, Vinayak Complex,
Opp. Mahasatiya
Dainik Bhaskar Road,
Ayad, Udaipur

रास में 'गोपी' बन गए महादेव

महादेव के मन में शरद पूर्णिमा पर वृंदावन में होने वाली राधा-कृष्ण की रासलीला देखने की इच्छा इतनी प्रबल थी कि उसमें शामिल होने के लिए वे गोपी का रूप धरकर वहां पहुंच गए और रास का भरपूर आनंद लेकर ही कैलाश लौटे।

जब अमृत बरसाने वाली शरद पूणिमा पर भगवान श्रीकृष्ण ने वृन्दावन में रासलीला का आयोजन किया, तो उसमें पुरूषों का प्रवेश वर्जित रखा गया। उस महारास में एकमात्र पुरूष भगवान श्रीकृष्ण थे। महादेव के मन में रासलीला देखने की इच्छा इतनी प्रबल थी कि उसमें शामिल होने के लिए वे गोपिका का रूप धारण कर वृन्दावन पहुंच गए और श्रीकृष्ण की लीला का आनंद लिया। महारास की रात्रि शरद पूर्णिमा की महिमा का वर्णन प्राचीन धर्मग्रंथों में विभिन्न रूपों में किया गया है। आश्विन मास की पूर्णिमा शरद पूर्णिमा कहलाती हैं। इसी दिन से शीत ऋतु आरम्भ माना जाता है। इस दिन चंद्रमा अपनी सोलह कलाओं के साथ उदित होकर अमृत की वर्षा करते हैं। इसी रात्रि को खीर बना कर शरद पूर्णिमा की चांदनी में रखना चाहिए। और सुबह भगवान को भोग लगाकर सभी को प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। इसके पीछे मान्यता है कि चांद से बरसा अमृत औषधि का काम करता है। इससे मानसिक और दमा जैसे रोग नष्ट हो जाते हैं। जगत कल्याण के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने महारासलीला शरद पूर्णिमा के दिन ही की थी। इस दिन संतान की कामना के लिए महिलाएं कोजागरी व्रत रखती हैं। इसके अलावा मां लक्ष्मी, राधाकृष्ण, शिव-पार्वती और कार्तिकेय की पूजा करने का विधान है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, मां लक्ष्मी शरद पूर्णिमा की रात्रि यह देखने के लिए पृथ्वी पर विचरण करती हैं कि उस दिन कौन-कौन जागकर उनकी पूजा करता है। उसे मां लक्ष्मी धन-वैभव का आशीर्वाद देती हैं। शरद पूर्णिमा के दिन श्री सूक्त और लक्ष्मी स्तोत्र का पाठ कर 108 बार 'ऊं श्री महालक्ष्म्यै स्वाहा' मंत्र की आहुति खीर से करनी चाहिए। रात में 100 या इससे ज्यादा दीपक जलाकर बाग-बगीचे, तुलसी और घर-आंगन में रखने चाहिए।

-बिहारी लाल तिवारी

पाठक पीठ

पिछले दो अंकों से चुनाव पर अच्छे विश्लेषण पढ़ने को मिले हैं। नवम्बर-दिसम्बर में राजस्थान सहित चार राज्यों में चुनाव होने हैं। मतदाताओं को अपने मताधिकार का उपयोग सुनिश्चित करना चाहिए। आपका हमारा वोट बहुत कीमती है। इसका उपयोग राष्ट्र और समाज के विकास तथा जन कल्याण के लिए प्रतिबद्ध प्रत्याशी को ही जाना चाहिए।

हितैष व्यास, उद्योगपति

हर बार की तरह प्रत्यूष का सम्पादकीय अपने ही अंदाज में था। साम्प्रदायिकता और साम्प्रदायिक हिंसा को किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। यह सभ्य समाज पर कलंक और देश के विकास में बाधक है।

धीरेन्द्र सच्चान, उद्योगपति

डॉ. दिनेश पुरोहित द्वारा प्रोटेस्ट कैंसर को लेकर दी गई जानकारी वास्तव में बहुत उपयोगी है। इस संबंध में जयपुर के डॉ. सोमेन्द्र बंसल द्वारा दी गई सलाह भी अच्छी लगी। इस रोग के लक्षण सामने आते ही यूरोलॉजिस्ट से सम्पर्क में विलम्ब नहीं करना चाहिए।

निखिल पंड्या, डायरेक्टर
मातेश्वरी नर्सिंग कॉलेज

प्रत्यूष का सितम्बर अंक मिला। इमसें हर रूचि वर्ग के पाठकों के लिए स्तरीय एवं ज्ञानवर्द्धित जानकारी थी। आचार्य विनोबा भावे को लेकर ज्ञानेश उपाध्याय का आलेख एवं नूंह (हरियाणा) में हुई हिंसा और उस पर नियंत्रण में पुलिस की बेरुखी को लक्ष्य करता सम्पादकीय सटीक लगा।

विजय कोठारी, उद्योगपति

Happy Navratri

Anup Kumar Jhambani
Director

Industrial Electricals

Authorised Dealer For

Schneider Electric · FLUKE Calibration · Empire Cables · Unique Cables · minilec · MKAY Power Controls · METRAVI · ascon · HPL · "JAYKAY" Sirens · HEX · KAYCEE · COOPER Bussmann · connectwell ...The Right Connection · m-seal · 3M

Shop No. 157-B, Shakti Nagar (In the street Near RSEB-GSS) Udaipur-313 001 (Raj.)
Phone : 0294 - 2422742, 2411879, Mob. : 9829072047
E-mail : info@industrialelectricals.com, Website : www.industrialelectricals.com

Madanlal Chaanra
#92144 53304

Happy Navratri

MOTOROLA
Dealers : 2-Way Radios

Mobile Communications

WIRELESS ENGINEERS (Free Warranty Services)

243/17, "Nundee", Ashok Nagar, (Maya Misthan)
Opp. Vigyan Samiti, UDAIPUR-313001 (Raj.)
Ph. : 0294-2420455 E-mail : mobcom@gmail.com

Ministry of Communicaions & IT Lic. No. AJR/DPL/04/2000
PAN# : ADJPC3852C TIN #08164003800

लम्बे समय तक ऊर्जा देते हैं, मोटे अनाज

संक्रमण काल (बदलते मौसम) में शरीर को अधिक ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है। इससे इम्युनिटी कम होती है। ऐसी स्थिती में मोटा अनाज सेहत के लिए ज्यादा फायदेमंद है। यह कई प्रकार के रोगों से शरीर का बचाव करता है। सर्दी में जठराग्नि बढ़ जाती है। इससे शरीर को अधिक ऊर्जा की जरूरत होती है। मोटे और साबुत अनाज खाने से कार्ब्स का स्तर धीरे-धीरे बढ़ता है। इससे शरीर को लम्बे समय तक ऊर्जा मिलती है।

वैद्य लीलाधर शर्मा

बारिश के बाद शरद ऋतु का आगमन हो रहा है। आयुर्वेद के अनुसार शरद ऋतु पित्त के प्रकोप का समय है। यह समय ऋतुसंधि काल भी है। इसमें शरीर को अधिक मेहनत करनी पड़ती है जिससे इम्युनिटी घट जाती है। बीमारियों की आशंका बढ़ जाती है। बच्चे-बुजुर्गों में यह परेशानी ज्यादा ही होती है। बचाव के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना होता है।

सांस के रोगी ध्यान दें

इम्युनिटी घटने के कारण सांस के रोगियों को भी ज्यादा ध्यान देने की जरूरत होती है। ऐसे रोगियों को केवल गुनगुना पानी से नहाना और पानी पीना भी चाहिए। जोड़ो के रोगियों को भी ध्यान रखना चाहिए। योग-प्राणायाम करें।

मोटे अनाज से कफ

मोटे अनाज न केवल शरीर का मेटाबोल्जिम ठीक कर वजन नियंत्रित रखते हैं बल्कि कफ के संचय की प्रवृति को भी कम कम करने में मदद करते हैं।

खट्टे फल-हरी सब्जियां खाएं

विटामिन सी युक्त फल मसलन सेब, संतरा, अंगूर, अमरूद, अनार आंवला और नींबू आदि शामिल करें। इनमें एंटी ऑक्सीडेंट तत्व मौजूद होते हैं। जो शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मददगार साबित होते हैं।

इन्हें ज्यादा मात्रा में खाएं

इस मौसम में पित्त को शांत करने के लिए घी और मुघर पदार्थ खाने चाहिए। चावल, मूंग, गेहूं, जौ, उबाला हुआ दूध, दही, मक्खन, घी, मलाई, श्रीखंड आदि फायदेमंद हैं। सब्जियों में चौलाई, बथुआ, लौकी, तोरई, मेथी, गाजर, पत्ता गोभी, मूली, पालक, सेम की फली आदि खाएं।

कम मात्रा में खाएं

सौंफ, लहसुन, बैंगन, करेला, हींग, उड़द से बने भारी खाद्य पदार्थ नहीं खाने चाहिए। कढ़ी जैसे खट्टे पदार्थ, क्षार द्रव्य, दही और ज्यादा नमक वाले खाद्य पदार्थ अधिक मात्रा में नहीं खाने चाहिए। फ्रिज में रखी ठंडी चीजें, आइसक्रीम, ठंडा-बासी भोजन से परहेज करना जरूरी है। जिन्हें पहले से कोई बीमारी है, उन्हें डॉक्टर से सलाह भी लेनी चाहिए। दवाइयां भी उसी अनुसार लें।

(लेखक वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्साधिकारी हैं)

सेहतमंद रखेंगे ये उपाय

- ठंड में लोंग, तुलसी, काली मिर्च और अदरक से बनी चाय का सेवन करें। इससे खांसी, सर्दी, जुकाम में बचाव होगा।
- 3-5 ग्राम आंवला (चूर्ण) को शक्कर के साथ मिलाकर लेना पित्त शामक है। इम्युनिटी भी बढ़ती है।
- अदरक, दालचिनी, तुलसी पत्र की चाय, हल्दी का दूध, च्यवनप्राश और शहद इस मौसम में लेना चाहिए।
- त्रिकटु चूर्ण की गुड़ के साथ गोली बना कर उसे चूसें। गले में खरास, खांसी का शमन करती है।
- 3 ग्राम हरीतकी (हरड़) चूर्ण, शहद, मिश्री या गुड़ के साथ लेना चाहिए।

Study Physical+Digital with
CBS Phygital Books
(The Hybrid Edition)
Scan below to watch the video
My Phygital Book
Listen, Learn & Practice
Search on the Go
Search & Read Digitally
My Exam Centre
Read & Learn
Assess Yourself
Every Step Counts
High Yield Topics
Revise on the Go
Add Ons
DX Mange More Content
6 Amazing Features
4 The Pillars of CBS Phygital Books
1 Digital Learning
2 Easy Access
3 Extra Knowledge
4 Futuristic Approach
4 way approach of learning through
CBS Phygital Books
Phygital Glimpses
My Phygital Book
Search on the Go
My Exam Centre
Assess Yourself
High Yield Topics
Add Ons
CBS Publishers & Distributors Pvt. Ltd.
New Delhi | Bengaluru | Chennai | Kochi | Kolkata | Lucknow | Mumbai | Pune | Hyderabad | Nagpur | Patna | Vijayawada
Subscribe To Nursing Next Live
Or Buy Books Online at: www.cbspd.co.in
Scan the QR Code

नवरात्र के नए स्वाद

व्रत में मन कुछ नया और स्पेशल खाने को करता है। अब तक कुछ गिनी-चुनी डिशेज खाकर ही आप संतोष कर रहे हैं तो इस बार नए स्वाद वाले स्वादिष्ट खाने के लिए हो जाइये तैयार। ये नई रेसिपीज व्रत के नियमों और आप के स्वाद दोनों को संतुष्टि प्रदान करेगी।

नीता मेहता

कद्दू खसखस का हलवा

सामग्री: 2 किलोग्राम पीला कद्दू, 8 टेबल स्पून खसखस, आधा कप अथवा स्वादानुसार चीनी, 6 से 8 हरी इलाएची के दाने, 1 टेबल स्पून गर्म पानी में धुली केसर, आधा कप घी, 250–300 ग्राम घिसा हुआ खोया, 2 टेबल स्पून चिरौंजी, 2 टेबल स्पून किशमिश।

सजाने के लिए – 1 चांदी का वर्क, कुछ कटे हुए हरे पिश्ते।

विधि: खसखस को अच्छी तरह से धो कर सुखा लें। कद्दू के कटे टुकड़ों को आधा कप पानी के साथ उबाल लें। उबले कद्दू में खसखस, इलाएची व पानी में घुला केसर मिला दें। कुछ देर हल्की आंच पर पकाते हुए चीनी, घी, खोया, चिरौंजी व किशमिश मिला दें। बस तैयार है, स्वादिष्ट हलवा।

केला और पनीर बॉल्स

सामग्री: 200 ग्राम पनीर घिसा हुआ, 2 कच्चे केले, 2 टीस्पून हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टीस्पून अदरक पेस्ट, 1 टीस्पून सिंघाड़े का आटा, 4 टीस्पून कुटी हुई मूंगफली, 2 टेबल स्पून ताजा हरा धनिया, तेल।

विधि: छिलके सहित केलों को अच्छी तरह से धो लें। छिलके के साथ ही इन केलों को माइक्रावेव में 3 मिनट तक रखें

अथवा उन्हें पानी में उबाल भी सकती हैं। बाद में केले छील कर अच्छी तरह से मैश कर लें। मैश किए केले में सभी सामग्री डाल कर अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इस मिश्रण की छोटी–छोटी बॉल्स बना लें। तेल में हल्का भूरा होने तक इसे डीप फ्राई करें। फिर चटनी के साथ गर्मागर्म परोसें।

कच्चे पपीते व पाइनएपल का रायता

सामग्री: 2 कप अच्छी तरह फेंटा हुआ दही, 3 स्लाइस ताजे पाइनएपल को चॉप कर के एक चौथाई कप पानी में प्यूरी बना लें। 1 टीस्पून चीनी, एक चौथाई कप पपीता छील कर घिसा गया, आधा टीस्पून काला नमक, 1–2 हरी मिर्च का पेस्ट, तीन चौथाई कप भुना जीरा पाउडर, आधा टीस्पून नमक, एक चौथाई कप लाल अनार के दानें।

विधि: घिसे हुए हरे पपीते को पानी में तब तक पकाएं जब तक वह गल न जाए। ध्यान रहे यह थोड़ा कुरकुरा रहना चाहिए। पानी से निकाल कर ठंडा कर के अच्छी तरह से पानी निचोड़ लें। पाइनएपल की प्यूरी को 1 टीस्पून चीनी के साथ लगभग 3 मिनट तक पकाएं। आंच से उतार कर ठंडा कर लें। पपीते में पाइनएपल की प्यूरी व दही अच्छी तरह से मिक्स कर लें। यदि आवश्यकता हो तो स्वादानुसार इसमें और चीनी मिला लें। ठंडा कर के अनार के दानों से गार्निश कर परोसें।

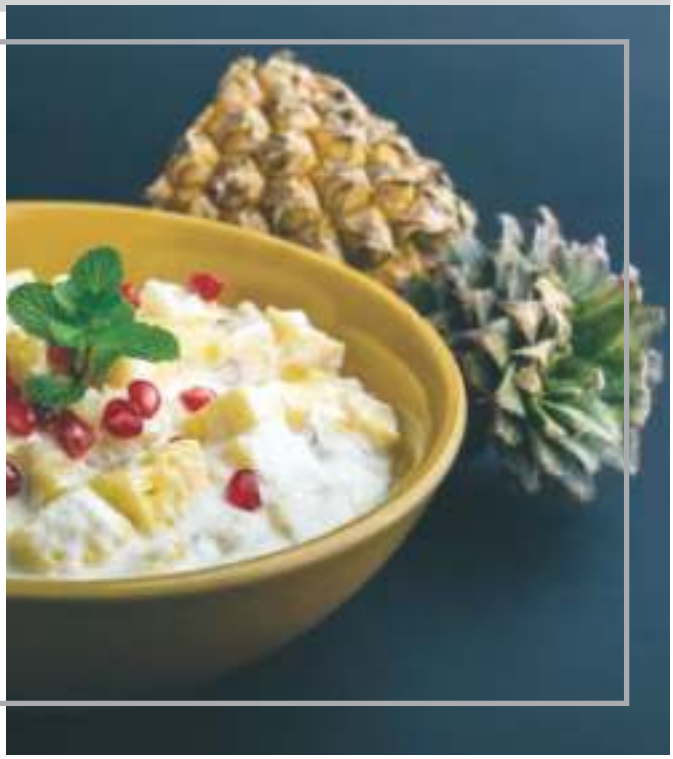

Khiv Singh Rajpurohit
(Managing Director)
94141-04766

BKMGPL

All Kinds of Marble and Granite Block, Slabs & Tiles

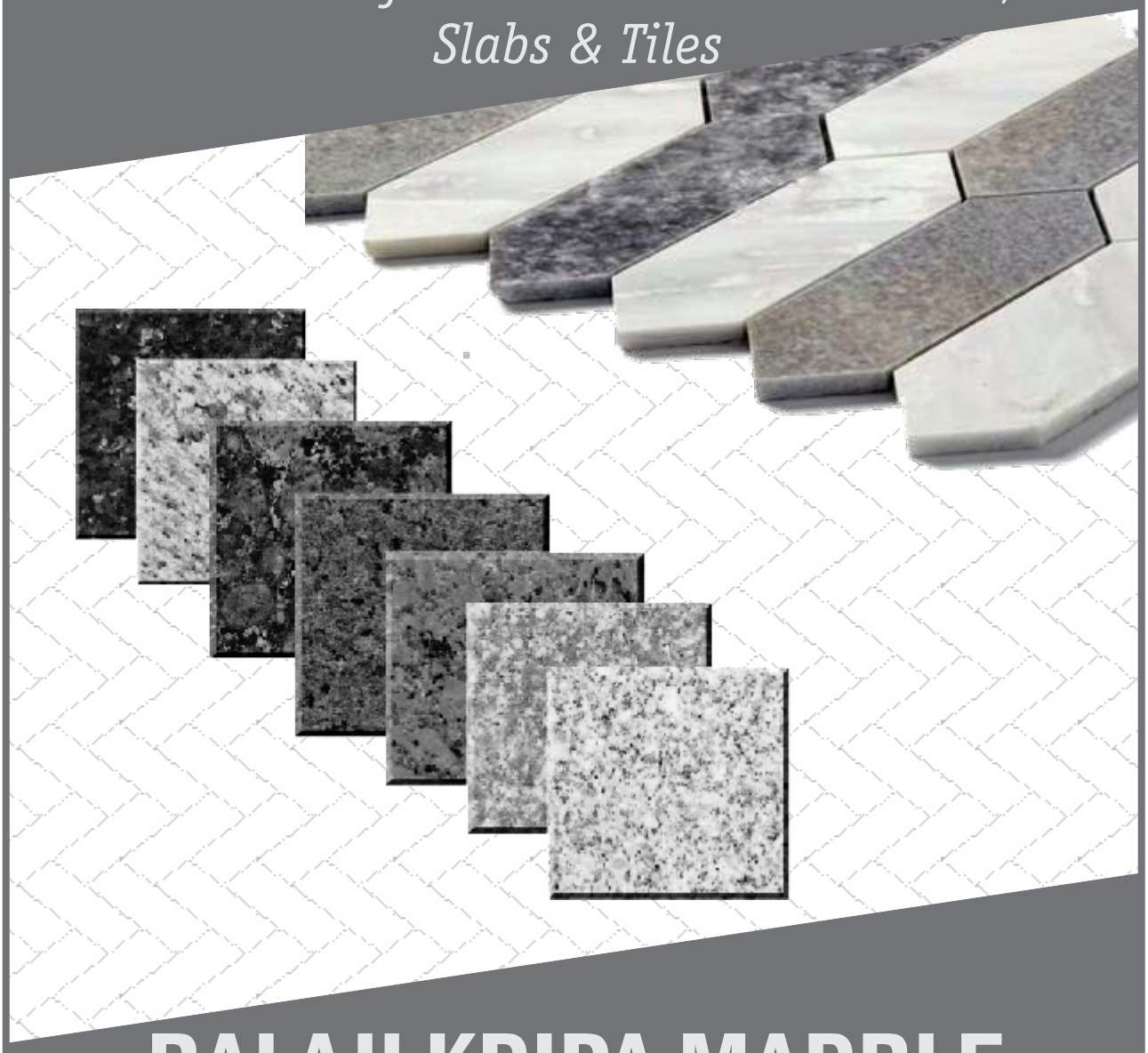

BALAJI KRIPA MARBLE & GRANITE PVT. LTD.

398-399, Sukher Industrial Area, Sukher, Udaipur (Rajasthan) India
Phone : +91-294-2442370, Fax : +91-294-2441773
e-mail: balajikripa.udr@gmail.com

प्रत्यूष

इस माह आपके सितारे

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। माता का सानिध्य मिलेगा। कारोबारी कार्यों में रूचि बढ़ेगी, मित्रों का सहयोग मिलेगा, यात्रा लाभप्रद रहेगी। कला, संगीत एवं धर्म के प्रति रूझान बढ़ेगा। कभी सुख तो कभी दुःख वाली स्थितियां बनेगी। पिता से धन प्राप्ति हो सकती है, संतान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ

भाई–बहनों के साथ यात्रा के योग बनेंगे, रहन–सहन अव्यवस्थित रहेगा, नौकरी और कार्य क्षेत्र में कठिनाइयां आ सकती हैं। मन अशांत हो सकता है, व्यर्थ के वाद–विवाद से बचें। कार्यक्षेत्र में परिवर्तन के योग बनेंगे, क्रोध और आवेश की अधिकता रहेगी, माता से वैचारिक मतभेद संभव, धैर्य रखें।

मिथुन

मानसिक शांति रहेगी, परंतु व्यर्थ की चिंताएं बनी रहेंगी, नौकरी में कोई अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है, आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, संयम रखें। अति उत्साहित होने से बचें। माता–पिता के स्वास्थ्य में गड़बड़ संभव। परिवार से मनमुटाव एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य में गिरावट संभव।

कर्क

आशा–निराशा के भाव बनेंगे, धर्म के प्रति श्रद्धाभाव बढ़ेगा, शैक्षिक कार्यों में सफलता रहेगी, लेखनादि बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी, सेहत के प्रति सावधान रहें, कार्यभार में वृद्धि होगी। अपने से वरिष्ठजनों का पर्याप्त सहयोग मिलेगा, लाभ के नए अवसर प्राप्त होंगे, वाणी संयत रखें।

सिंह

किसी पैतृक कारोबार की पुनः शुरुआत हो सकती है, परिवार एवं कार्य क्षेत्र में जिम्मेदारी बढ़ेगी। आय में वृद्धि रहेगी, परंतु मन परेशान हो सकता है, धार्मिक यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। क्षणे रुष्टा–क्षणे तुष्टा का भाव रहेगा, अनियोजित खर्चों में वृद्धि संभव। भावनाओं को वश में रखें।

कन्या

वाणी से प्रभाव बढ़ेगा, संतान सुख में वृद्धि होगी, भागदौड़ अधिक रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। दिनचर्या में थोड़ा कष्ट रहेगा। स्थान परिवर्तन संभव, धैर्यशीलता में कमी आएगी। कला एवं संगीत के प्रति रूझान बढेगा। कार्यक्षेत्र में परिश्रम की अधिकता रहेगी। जीवन साथी का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

तुला

मन प्रसन्न रहेगा। आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे, परंतु आत्मसंयत रहें। भौतिक सुखों में वृद्धि, मित्र से धन प्राप्ति, पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। नौकरी में तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्य क्षेत्र में अनुकूल परिस्थितियां रहेगी, आत्मकेन्द्रित रहें। व्यर्थ के वाद–विवाद से दूर ही रहें।

इस माह के पर्व/त्योहार

2 अक्टूबर	आश्विन कृष्णा तृतीया/चतुर्थी	महात्मा गांधी/लाल बहादुर शास्त्री जयंती
9 अक्टूबर	आश्विन कृष्णा दशमी	विश्व डाक दिवस
14 अक्टूबर	आश्विन अमावस्या	सर्वपितृ श्राद्ध
15 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल प्रतिपदा	नवरात्रि प्रारंभ/ महाराज अग्रसेन जयंती
20 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल षष्ठी	नवपद ओली प्रारंभ
22 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल अष्टमी	दुर्गामहाष्टमी
24 अक्टूबर	आश्विन शुक्ल दशमी	विजयदशमी (दशहरा)
28 अक्टूबर	आश्विन पूर्णिमा	शरद पूर्णिमा
31 अक्टूबर	कार्तिक कृष्णा तृतीया	इंदिरा गांधी पुण्यतिथि/ सरदार पटेल जयंती

वृश्चिक

आत्मविश्वास में कमी, स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं। परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। खर्चों में वृद्धि होगी, मन प्रसन्न रहेगा, किसी सहयोगी से किसी नए कारोबार का प्रस्ताव मिल सकता है, उच्च शिक्षा के लिए दूरस्थ स्थान पर जा सकते हैं।

धनु

मान सम्मान में एवं आत्मविश्वास में वृद्धि होगी, धैर्यशीलता बनाए रखने का प्रयास करें। कारोबार में भागदौड़ अधिक होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। क्रोध के अतिरेक से बचें। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी, परिवार में धार्मिक कार्यक्रम होंगे, आलस्य से बचें।

मकर

किसी पैतृक संपत्ति के लिए विवाद की स्थिति बन सकती है। कारोबार में वृद्धि होगी, माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें, भवन सुख की प्राप्ति हो सकती है या भवन के साज–सज्जा पर खर्च बढ़ेगा। स्वभाव में चिड़चिड़ापन हो सकता है। बौद्धिक कार्यों के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे।

कुम्भ

लम्बी यात्रा के योग बनेंगे। मान–सम्मान में वृद्धि होगी, नौकरी में अफसरों का सहयोग मिलेगा। बातचीत में संयत रहे। नपे तुले शब्दों का प्रयोग करें, संतान की ओर से सुखद समाचार मिलेंगे। परिवार एवं सामाजिक जिम्मेदारियां बढ़ेंगी।

मीन

वाणी में सौम्यता व आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। नौकरी या कार्यक्षेत्र में बदलाव संभव। परिश्रम अधिक रहेगा, विदेश यात्रा का अवसर मिल सकता है, यात्रा लाभप्रद रहेगी। भौतिक सुखों पर खर्च होगा। धर्म–कर्म में रूचि बढ़ेगी, संतान को कष्ट संभव, बातचीत में संतुलित रहें।

प्रत्यूष समाचार

श्री सीमेंट व जेके सीमेंट को शिक्षाभूषण पुरस्कार

जयपुर। शिक्षा के प्रसार व विकास में सरकार के साथ भागीदारी में उत्कृष्ट कार्य करने पर गत दिनों जयपुर में 27वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान 2023, शिक्षाभूषण से श्री सीमेंट बांगड़ सिटी रास व जेके सीमेंट निम्बाहेड़ा को सम्मानित किया गया। दोनों ही संस्थानों ने यह गरिमामयी सम्मान आठवीं बार हासिल किया। श्री सीमेंट कम्पनी प्रबंधक (सीएसआर) विशाल जायसवाल ने जबकि जेके सीमेंट निम्बाहेड़ा के एचआर विभाग के अमित सिंह ने मुख्य अतिथि शिक्षामंत्री बी.डी. कल्ला से पुरस्कार ग्रहण किया। श्री सीमेंट के प्रबंधन निदेशक नीरज आखेरी ने बताया कि कम्पनी अपने प्लांट के आसपास के क्षेत्र के सर्वांगीण विकास हेतु योजनाबद्ध तरीके से विभिन्न आयामों पर काम करती है। जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, कौशल, पशुपालन, स्वच्छता, महिला एवं बाल विकास आदि महत्वपूर्ण है। क्षेत्र के विद्यालयों में श्रीसीमेंट द्वारा किए गए शैक्षणिक और भौतिक कार्यों से विद्यालयों में विद्यार्थियों के अच्छे परिणाम के साथ नामांकन एवं ठहराव बढ़ा है। कंपनी के संयुक्त अध्यक्ष (वाणिज्यिक) अरविंद खीचा ने बताया कि सामाजिक विकास का मुख्य आधार शिक्षा है। कंपनी अपने समस्त संयंत्रों के आसपास ग्रामीण विकास की गतिविधियां संचालित कर रही है। कंपनी के कलसटर हैड (उत्तर) सतीश माहेश्वरी ने बताया कि यह सम्मान राजस्थान सरकार के शिक्षा विभाग ने श्री सीमेंट द्वारा क्षेत्र के 56 राजकीय विद्यालयों में शिक्षा क्षेत्र में विकास के लिए किए गए सराहनीय सहयोग के लिए प्रदान किया है।

'द जॉयज ऑफ मदरहुड' रील कॉन्टेस्ट के विजेता पुरस्कृत

उदयपुर। नीलकंठ आईवीएफ की ओर से द जॉयज ऑफ मदरहुड रील कॉन्टेस्ट के विजेताओं को सम्मानित किया गया। रील कॉन्टेस्ट का 1 जुलाई को अभिनेत्री स्मिता बंसल ने शुभारंभ किया। बंसल ने रील कॉन्टेस्ट विजेता अंकिता शर्मा के घर पहुंच कर उन्हें सोने का सिक्का दे सम्मानित किया। आकांक्षा नामा और बनी साधनानी ने क्रमश: दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। प्रतिभागियों ने 90 से ज्यादा रील में मातृत्व के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। इस मौके पर नीलकंठ आईवीएफ की निदेशक, सीनियर कंसल्टेंट रिप्रोडक्टिव व मेडिसिन, एंड फर्टिलिटी स्पेशलिस्ट, डॉ. सिमी सूद, निदेशक डॉ. आशीष सूद आदि मौजूद रहे।

करणी पुत्र फाउण्डेशन का शुभारंभ

उदयपुर। बेरोजगारी दूर करने की मुहिम करणी पुत्र फाउंडेशन का शुभारंभ किया गया। मुहिम का पोस्टर विमोचन सिटी पैलेस में डॉ. लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ ने किया। हेमेन्द्रसिंह धवाना ने बताया कि संस्थान का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवाओं को स्थानीय लघु उद्योग के लिए जागरूक व उचित प्रशिक्षण देकर बेरोजगारी दूर करना है। इस मौके पर संस्था से निर्मल सिंह भाटी, अजयसिंह हातोज, गोविंदसिंह सफेद उपस्थित रहे।

इंद्रधनुषी सृजन कार्यक्रम

उदयपुर। पद्मश्री देवीलाल सामर की स्मृति में डॉ. भंवर सुराणा स्मृति आयोजन समिति एवं तनिमा पत्रिका की ओर से भारतीय लोक कला मंडल में इंद्रधनुषी सृजन रत्न कार्यक्रम में जोधपुर के कवि दिनेश सिंदल ने प्रासंगिक रचना पाठ किया। कार्यक्रम में भारतीय लोक कला मंडल के निदेशक व रंगकर्मी डॉ. लईक हुसैन, कवयित्री वीना गौड़, दिनेश दीवाना, तनिमा की संपादक शकुंतला सरुपरिया आदि मौजूद रहे।

वृद्धाश्रम में काव्य गोष्ठी

उदयपुर। तारा संस्थान की ओर से संचालित मां द्रोपदी आनंद वृद्धाश्रम की स्थापना के एक साल पूरे होने पर काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस मौके पर कवियों ने अपनी रचनाओं से वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धों की भावनाओं को शब्दों के माध्यम से प्रस्तुत किया। डॉ. ज्योतिपुंज मुख्य अतिथि थे। अमित व्यास, इकबाल सागर, प्रेमलता सोलंकी, डॉ. नीलम विजयवर्गीय, करूणा दशोरा, अनुश्री राठौड़, विजयलक्ष्मी देथा आदि ने रचनाएं सुनाई। कवि किशन दाधीच, किरण बाला किरण, श्रेणी दान चारण, लक्ष्मीनारायण गोस्वामी, राजकुमार राज, आशा पांडे, करुणा दशोरा, पुष्कर गुप्तेश्वर, कविता आतुर, सुनीता नीमिष, रक्षित परमार, कपिल पालीवाल, संस्थान के सीईओ दीपेश मित्तल, निदेशक विजय सिंह चौहान आदि मौजूद रहे।

विवेक अध्यक्ष, हिमांशु सचिव

उदयपुर। भुवाणा स्थित न्यू मॉडर्न कॉम्प्लैक्स विकास समिति की बैठक में आगामी पांच वर्षों के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। सर्वसम्मति से अध्यक्ष विवेकसिंह राजावत, उपाध्यक्ष प्रकाश वर्डिया, सचिव हिमांशु मेहता, सह सचिव प्रमोद कुमार दाणी, कोषाध्यक्ष नीतिन भोजवानी, संगठन सचिव दिलीप कोठारी, प्रवक्ता महेश भारती, प्रचार सचिव सुनील सेठ, मीडिया प्रभारी अभिषेक कोठारी, परामर्श दाता दिनेश जैन, ऑडिटर मनीष लोढ़ा तथा शंकर पटेल विशाल पारीख, पुष्कर कुमावत, विजय कुमावत को सदस्य मनोनीत किया गया। साथ ही महेन्द्रसिंह शेखावत, मांगीलाल लुणावत, चन्द्रप्रकाश तलेसरा, मोहन माखीजा, मोहन गौड़ को संरक्षक बनाया गया।

उदयपुर टेंट क्रिकेट लीगः खोखावत पावर हीटर्स का ट्रॉफी पर कब्जा

उदयपुर। जिला टेंट व्यवसायी समिति की ओर से ओपेरा गार्डन में तीन दिवसीय डे-नाइट उदयपुर टेंट क्रिकेट लीग 2023 प्रतियोगिता के फाइनल मैच में खोखावत पावर हीटर्स ने राजकमल सुपर किंग्स को चार विकेट से हरा कर ट्रॉफी पर कब्जा किया। समिति अध्यक्ष सुधीर चावत ने बताया कि फाइनल मैच में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री महेन्द्रजीत मालवीया, कांग्रेस नेता दिनेश खोडनिया और आयुक्त टीएडी तारांचद मीणा थे। जिन्होंने आयोजन की प्रशंसा की। समिति महासचिव कमलेश पोखरना ने बताया कि समापन समारोह में भागीदार बनने वाले डीएस ग्रुप के अमित कुमार, इटालिका के पुष्कर, राकेश टिम्बर के गजेन्द्र जोधावत, राजस्थान टेंट एण्ड डीलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष राजबिहारी शर्मा, सचिव पर्वतसिंह भाटी मौजूद थे। प्रतीक सिंघल ने बताया कि पहली बार किए गए मैचों का लुत्फ सभी ने उठाया।

शिक्षा में योगदान पर यादव सम्मानित

उदयपुर। सर्वोदय संस्थान, जयपुर ने मिरेंडा स्कूल के निदेशक दिलीपसिंह यादव को शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए एक्सीलेंट इन एजुकेशन अवार्ड से सम्मानित किया। यादव को जयुपर में हुए प्रदेश स्तरीय 12वें प्रिंसिपल टीचर्स अवार्ड कार्यक्रम में शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला एवं पूर्व महापौर ज्योति खंडेलवाल ने सम्मान दिया।

मेवाड़ महिमा का विमोचन

मेवाड़ महिमा पुस्तक का विमोचन करते हुए मंचासीन अतिथिगण।

उदयपुर। असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया ने गत दिनों समाजसेवी, प्रमुख होटल व्यवसायी एवं इतिहासप्रेमी लक्ष्मणसिंह कर्णावट की कृति। मेवाड़ महिमा का राजस्थान विद्यापीठ सभागार में विमोचन किया। उन्होंने काव्य शैली में लिखी गई पुस्तक में मेवाड़ की महिला के यशोगान के लिए कर्णावट को बधाई देते हुए कहा कि इसमें बप्पारावल से लेकर महाराणा भगवतसिंह के कार्यकाल के दौरान मेवाड़ की उपलब्धियों व संघर्षों का सटीक वर्णन किया गया है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो.एस.एस. सारंगदेवोत ने कहा कि यह पुस्तक इतिहास के शोधार्थियों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी। विशिष्ट अतिथि मंगलायतन विश्वविद्यालय अलीगढ़ के कुलपति व मुख्य वक्ता डॉ. प्रदीप कुमावत, लता कर्णावट व मधु डागा ने भी विचार व्यक्त किए। लेखक लक्ष्मणसिंह कर्णावट ने पुस्तक में शामिल विषयों एवं तत्संबंधी अपने अध्ययन व शोध कार्य पर प्रकाश डाला। संचालन आलोक पगारिया ने किया। कार्यक्रम में राजस्थान साहित्य अकादमी के पूर्व अध्यक्ष डॉ. देव कोठारी, उद्यमी शांतिलाल मारू, जीतो के पूर्व अध्यक्ष राज सुराना, डॉ. निर्मल कुणावत, गिरीश मेहता, चन्द्रवीरसिंह पिपलिया, ग्रुप कमांडर गजेन्द्रसिंह बांसी, राव अजातशत्रु, प्रकाश नागौरी, तेरापंथ सभा उदयपुर अध्यक्ष अर्जुन खोखावत, मेवाड़ तेरापंथ समन्वय समिति संयोजक सूर्यप्रकाश मेहता सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित थे। महाराणा कर्णसिंह बीकानेर के संदेश का वाचन अजात शत्रु सिंह शिवरती ने किया।

राज्यमंत्री अरोड़ा ने किया लोट्स की प्रोडक्शन यूनिट का दौरा

उदयपुर। राज्य मंत्री राजीव अरोड़ा ने लोट्स हाइटेक इंडस्ट्रीज की भटेवर स्थित निर्माणाधीन प्रोडक्शन यूनिट का दौरा कर कर्मचारियों का सम्मान किया। फोर्टी अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल ने एडवाइजर संजय गोयल, ख्याली शर्मा, जनरल मैनेजर भानुप्रिया जैन, नेहा जैन, गरिमा नंदवाना, दीपक शर्मा, पंकज शर्मा, रोहित शर्मा, राजेन्द्र शर्मा, अजयसिंह, महेन्द्रसिंह, कैलाश मीणा, वालूराम डांगी को सर्टिफिकेट दिए। अग्रवाल ने कहा कि किसी भी कंपनी की सफलता के पीछे उसके कर्मचारियों का हाथ होता है। फोर्टी के चीफ सेक्रेटरी नरेश सिंघल ने कंपनी की ग्रोथ के प्रोडक्ट, पॉलिसी, पीपुल, प्राइस और प्रमोशन का मंत्र दिया। फोर्टी वुमन विंग की जनरल सेक्रेटरी ललिता कुच्चल ने महिला कर्मचारियों की अहमियत बताई। जिला उद्योग अधिकारी भगवान दास, फोर्टी उदयपुर अध्यक्ष मनीष भाणावत, उद्यमी आनंद शर्मा, निर्मल जांगिड़, विनोद पानेरी, इंद्र कुमार सुथार भी मौजूद थे। लोट्स हाइटेक के संस्थापक प्रवीण सुथार ने आभार जताया।

गौरीकांत शर्मा ने कार्यभार संभाला

उदयपुर। गौरीकांत शर्मा ने गत दिनों सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय उदयपुर में सहायक निदेशक का कार्यभार संभाला। यहां कार्यरत कमलेश शर्मा को जयपुर में पदस्थापित किया गया है। गौरीकांत इससे पहले आबकारी विभाग में जनसम्पर्क अधिकारी थे। उनकी जगह उदयपुर निवासी और बारां में पदस्थापित जनसम्पर्क अधिकारी विनोद मोलपरिया को आबकारी विभाग में लगाया गया है। ब्यावर से मनीष जैन को उदयपुर जनसम्पर्क अधिकारी लगाया गया है जबकि प्रवेश परदेशी को उदयपुर से राजसमंद स्थानांतरित किया गया है।

निहारिका का सम्मान

उदयपुर। सर्वोदय संस्थान जयपुर ने जयदीप शिक्षण संस्थान की प्रशासक निहारिका कुमावत को शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय कार्य के लिए सम्मानित किया गया। निहारिका को यह सम्मान अरावली समूह और निजी स्कूल एसोसिएशन द्वारा प्रदान किया गया।

रॉयल संस्थान में शिक्षक सम्मान

उदयपुर। कालका माता रोड स्थित रॉयल इंस्टीट्यूट में शिक्षक दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षकों का सम्मान किया गया। निदेशक जीएल कुमावत ने एक अच्छे शिक्षक होने के साथ-साथ एक अभिभावक के रूप में बच्चों के साथ जुड़े रहने की बात पर जोर दिया।

मिरांडा में मिलेट्स अंतरराष्ट्रीय वर्ष

उदयपुर। मिरांडा सीनियर सैंकडरी वर्ष 2023 के अंतर्गत मिलेट्स डे मनाया गया। विद्यालय के निदेशक दिलीप सिंह यादव ने बताया कि भारत के आह्वान पर संयुक्त राष्ट्र संघ ने वर्ष 2023 को अंतरराष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष घोषित किया है। इसमें स्कूल विद्यार्थी लंच बॉक्स में ज्वार, बाजरा, रागी, मक्का जैसे मोटे अनाज से बनी हुई खाद्य सामग्री लेकर आए। इंसान की बॉडी के लिए न्यूट्रिऐंट्स बहुत जरूरी है। यह हमें गेहूं, चावल से मिलते हैं, लेकिन ज्वार, बाजरा, रागी, कुटकी, कोंडो, कंगनी, राजगीर इन सभी मोटे अनाजों में प्रोटीन वसा कैल्शियम और जिंक की भरपूर मात्रा होती है। इनके नियमित सेवन से इम्युनिटी मजबूत होती है।

डॉ. गुप्ता को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का सम्मान

जयपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के राजस्थान अधिवेशन 2023 का आयोजन एसएमएस मेडिकल कॉलेज सभागार में हुआ। इसमें प्रदेशभर से आईएमए से जुड़े 500 से ज्यादा चिकित्सकों ने भागीदारी निभाई। मुख्य अतिथि विधानसभाध्यक्ष डॉ. सीपी जोशी व विशिष्ट अतिथि डॉ. करणसिंह यादव थे। कार्यक्रम में उदयपुर शाखा को श्रेष्ठ भागीदारी के कई सम्मान मिले। उदयपुर आईएमए अध्यक्ष डॉ. आनंद गुप्ता को प्रदेश स्तर पर सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष पद के लिए सम्मानित किया गया। अधिवेशन में 35 वरिष्ठ चिकित्सकों को सम्मान मिला। जिसमें लाइफ टाइम अचीवमेंट डॉ. एस.के. लुहाड़िया, डॉ. अनिल कोठारी, डॉ. एस.के. कौशिक, डॉ. अजय मुर्डिया को, लीडरशिप एक्टिविटी (व्यक्तिगत सदस्य के रूप में) तरुण अग्रवाल, डॉ. अमित खंडेलवाल, डॉ. डेनी मंगलानी, डॉ. निशांत अश्विनी, डॉ. नीलेश पतीरा, डॉ. मनोज अग्रवाल, डॉ. शिव कौशिक, वुमन विंग एक्टिविटी में डॉ. सुनिता आचार्य, कॉन्ट्रीब्यूशन टू फंड में डॉ. विनोद पोरवाल, स्पेशल अवार्ड (विशेष उपलब्धि के लिए) डॉ. अजीतसिंह, डॉ. प्रवीण झंवर, डॉ. सीताराम बारहठ, डॉ. चिरायु पामेचा, स्पेशल अवार्ड (अति विशिष्ट सेवा के लिए) डॉ. विपिन माथुर, डॉ. के.आर. शर्मा, डॉ. प्रशांत अग्रवाल को, मेडिकल एंड एकेडमिक सर्विस में डॉ. कनिष्क मेहता, डॉ. मनोज महाजन, डॉ. मोहित गोयल, डॉ. रवि भाटिया, डॉ. संजय गांधी, डॉ. कुशल गहलोत, डॉ. मनस्वीन सरीन, डॉ. वीरेन्द्र गोयल, डॉ. सीपी पुरोहित, डॉ. अनुराग तलेसरा, कम्युनिटी सर्विस में डॉ. पीसी जैन, डॉ. जेके छापरवाल, डॉ. राजेश भराड़िया, लाइफ मेंबरशिप एनरोलमेंट (लोकल ब्रांच) में डॉ. दीपक शाह को प्रदान किया गया।

रेडिएंट के हितेन टॉपर, 50 हजार जीते

उदयपुर। आईआईटी गुवाहटी की ओर से इंटरनेशनल स्कूल चैम्पियनशिप टेक्नोथलॉन का अंतिम राउंड हुआ। निदेशक एवं वाई एसपी डिवीजन हेड शुभम गालव ने बताया कि इसमें रेडिएंट के हितेन आमेटा ऑल इंडिया टॉपर बने और 50 हजार का पुरस्कार जीता। हितेन एमडीएस स्कूल में कक्षा नौंवी के छात्र हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय परिवार व रेडिएंट के अध्यापकों को दिया।

प्रमुख शासन सचिव से सम्मानित

उदयपुर। राजस्थान सिने महोत्सव में बेहतर कार्य के लिए प्रमुख शासन सचिव पर्यटन गायत्री राठौड़ ने उदयपुर पर्यटन निदेशक शिखा सक्सेना, मुकेश माधवानी व विकास जोशी को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

अनुराग को पीएचडी

उदयपुर। अनुराग कोठारी को राजस्थान विद्यापीठ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर शोध कार्य करने पर पीएचडी प्रदान की है। अनुराग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विश्लेषणात्मक अध्ययन विषय पर प्राध्यापक डॉ. हरीशचन्द्र चौबीसा के निर्देशन में शोध किया है।

जीबीएच हॉस्पिटल में राजस्थान की पहली टोमोथैरेपी रेडिएशन मशीन

उदयपुर। जीबीएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के बेड़वास स्थित जीबीएच कैंसर हॉस्पिटल में राजस्थान और मध्यप्रदेश के बीच पहली टोमोथैरेपी मशीन स्थापित हुई। करीब तीस करोड़ की लागत से स्थापित यह कैंसर रोगियों के लिए दुनिया की सर्वोत्तम रेडिएशन मशीन है। जिससे कम समय में अन्य कोशिकाओं को बिना नुकसान पहुंचाए सटीक रेडिएशन मिलना संभव होगा। जीबीएच ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के चेयरमैन एवं अंतरराष्ट्रीय कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. कीर्ति जैन ने बताया कि यूएस से आयातित यह मशीन सीटी स्कैन से सुसज्जित है जिससे शरीर के कैंसरग्रस्त हिस्से का सटीक, कम समय में एवं न्यूनतम साइड इफैक्ट के साथ रेडिएशन उपचार संभव होता है। पुरानी रेडियोथैरेपी पद्धति में एक मरीज के उपचार में तीसर मिनट का समय लग जाता था, वहीं इस टोमोथैरेपी मशीन द्वारा सटीक उपचार सिर्फ पांच से सात मिनट में ही सुविधाजनक ढंग से किया जा सकता है। ग्रुप डॉयरेक्टर डॉ. आनंद झा ने बताया कि टोमोथैरेपी मशीन राजस्थान की पहली मशीन होने से चिरंजीवी योजना में शामिल नहीं है, लेकिन राज्य सरकार से जल्द ही इसे शामिल करवाया जाएगा, जिससे अधिकाधिक लोग इसका लाभ उठा सकें। मशीन का उद्घाटन चेयरमैन डॉ. कीर्ति जैन के नेतृत्व में डब्ल्यूएचओ की कैंसर रिसर्च एजेंसी के प्रमुख डॉ. पार्थ बसु, इंग्लैंड के किंग्स कॉलेज के डॉ. रिचार्ड सुलिवन, डॉ. अरनी पुरुषोत्तम, तमिलनाडु के डॉ. स्वामीनाथन की मौजूदगी में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में कैंसर रोग विशेषज्ञ डॉ. रोहित रेबेलो, डॉ. मानसी शाह, डॉ. ममता लोढ़ा, डॉ. कुरेश बंबोरा, डॉ. ममन सरूपरिया मौजूद रहे।

हेप्पी होम का 49वां स्थापना दिवस

उदयपुर। हेप्पी होम उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रतापनगर का 49वां स्थापना दिवस गत दिनों हर्षोल्लास से मनाया गया। हेप्पी होम शिक्षा प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. देव कोठारी, मुख्य अतिथि शिक्षाविद् भरत मेहता, विशिष्ट अतिथि खेलशंकर व्यास, वृक्षं-अमृतम् सेवा संस्थान के अध्यक्ष गोपेश कुमार एवं सचिव यशवंत कुमार, रूपलाल डांगी के सानिध्य में संपन्न इस गरिमामय आयोजन में विद्यालय के संस्थापक जगदीश अरोड़ा ने अतिथियों का स्वागत कर उन्हें संस्थान की उपलब्धियों से रूबरू करवाया। संस्थान निदेशक डॉ. सुषमा अरोड़ा ने संस्थान की स्वर्ण जयंती के आयोजन की रूप रेखा प्रस्तुत करते हुए सहयोग की अपेक्षा की। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने मनमोहक रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। संचालन कक्षा 12 की छात्राओं आस्था वर्मा व गरिमा राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में संस्थान की मादड़ी शाखा की प्रधानाचार्य सुदेश अरोड़ा व सिंधी भाषा उ.मा विद्यालय की प्रधानाध्यापिका ज्योत्सना पांडे भी उपस्थित थीं। धन्यवाद ज्ञापन कल्पना चौबीसा ने किया।

दाधीच को बाल साहित्य सम्मान

उदयपुर। जवाहरलाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी जयपुर के बाल साहित्यकार सम्मान समारोह में उदयपुर के बाल साहित्यकार तरूण कुमार दाधीच को बाल साहित्य मनीषी सम्मान प्रदान किया गया। अकादमी अध्यक्ष इकराम राजस्थानी ने बताया कि दाधीच को 21 हजार रुपए नकद अभिनंदन पत्र एवं स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष डॉ. राजीव अरोड़ा एवं विशिष्ट अतिथि कला संस्कृति विभाग की प्रमुख शासन सचिव डॉ. गायत्री राठौड़ थी।

हिंदुस्तान जिंक विश्व की सर्वश्रेष्ठ कम्पनियों में होगी: हेब्बर

उदयपुर। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड जिंक का उत्पादन मौजूदा वित्तीय वर्ष में 10 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 15 लाख टन करने का लक्ष्य है। जिंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कंपनी की 57वीं एनुअल जनरल मीटिंग में यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश के विकास में जिंक अहम भूमिका निभाएगा। हिंदुस्तान जिंक विश्व की सर्वश्रेष्ठ कम्पनियों में होगी। इस सेक्टर में तीन से चार प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी ने 10 लाख टन से अधिक रिफाइंड मेटल का उत्पादन किया है। नए वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने 257 किलोटन का मेटल प्रोडक्शन किया है।

तैराकी के गोल्डन बॉय युग को एक लाख का चेक

उदयपुर। राष्ट्रीय जूनियर व सब जूनियर तैराकी में राजस्थान के लिए इतिहास रचने वाले युग चेलानी का विद्यालय प्रबंधन ने शानदार स्वागत किया। मीडिया प्रभारी विकास साहू ने बताया कि युग के विद्यालय पहुंचने पर साथी छात्र-छात्राओं ने आतिशबाजी व नारों के साथ स्वगात किया। प्रिंसिपल विलियम डिसूजा ने युग को 1 लाख रुपए का चेक देकर प्रोत्साहित किया।

डॉ. अरविंदर की अमेरिकन क्रंचबेस रेटिंग में 37वीं रैंक

उदयपुर। अर्थ ग्रुप के सीईओ डॉ. अरविंदरसिंह अपनी लगन, मेहनत और काम के जुनून से अपने स्वयं के रिकॉर्ड तोड़ते जा रहे हैं। इस बार उन्होंने वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित अमेरिकन क्रंचबेस रेटिंग में टाइटेनिक फिल्म के हिरो एवं फेसबुक के मार्क जकरबर्ग को भी पीछे छोड़ दिया है। डॉ. सिंह ने 37वीं रैंक हासिल की है। डबल वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर डॉ. अरविंदर सिंह अमेरिकन क्रंचबेस रेंकिंग में विश्व के प्रतिष्ठित और चर्चित लोगों की एक सितम्बर को जारी टॉप 100 रैंकिंग में 37वें नंबर पर रहे। इस उपलब्धि से डॉ. सिंह ने मेवाड़ का गौरव अंतरराष्ट्रीय प्लेटफार्म पर फिर से बढ़ाया है।

कटारा बोम मेम्बर

उदयपुर। राज्य सरकार की ओर से पूर्व विधायक व गिर्वा प्रधान सज्जन कटारा को महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि के बोर्ड ऑफ मैनजमेंट में मेम्बर मनोनीत किया गया है। कटारा पहले भी दो बार बोम मेंबर रह चुकी हैं।

भण्डारी अध्यक्ष, कोठारी मंत्री

उदयपुर। उदयपुर होलसेल गोल्ड ज्वेलर्स एसोसिएशन के चुनाव के बाद शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। एसोसिएशन के चुनाव (2023-25) संरक्षक यशवंत आंचलिया के सानिध्य में संपन्न हुए। इसमें अध्यक्ष ऋषभ भंडारी एवं मंत्री जितेन्द्र कोठारी को निर्विरोध चुना गया। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष शैलेश मेहता, कोषाध्यक्ष मुकेश मेहता, सहमंत्री मयंक लोढ़ा, सलाहकार संजय सिरोहिया, प्रचार प्रसार कैलाश सोनी एवं कार्यकारिणी को शामिल किया गया है।

सिंधी समाज की 325 प्रतिभाओं का सम्मान

उदयपुर। सिंधी समाज की दो पंचायतों पूज्य जेकबआबाद और पूज्य सिंधी साहिती की ओरसे जवाहर नगर में गत दिनों समाज की 325 प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इनमें स्कूल-कॉलेज विद्यार्थी, प्रतियोगी परीक्षा में बेहतर परिणाम हासिल करने वाले, समाजसेवी सहित अन्य प्रतिभाएं शामिल थीं। मुख्य अतिथि आयुक्त देवस्थान आईएएस प्रज्ञा केवलरमानी, आरएएस ज्योति ककवानी, राजस्थान न्यायिक सेवा की अधिकारी मीनाक्षी बिलोची, रीजनल ऑफिसर सीबीएसई डॉ. मनीष चुघ, समाजसेवी मोहन माखिजा, मोहन केसवानी आदि मंचासीन थे। प्रारंभ में समाज के प्रमुख प्रताप राय चुघ, हरीश राजानी सहित अन्य प्रमुख लोगों ने स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में झूलेलाल और स्व. तीरथदास नेभनानी के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। प्रतिभाओं का ट्रॉफी, प्रमाणपत्र और उपरणा ओढ़ाकर सम्मान किया गया।

उद्यमियों की समस्याओं का हल जरूरी: सिंघल

उदयपुर। उदयपुर चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के पीपी सिंघल ऑडिटोरियम में राजस्थान मिशन 2030 के तहत परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यूसीसीआई अध्यक्ष संजय सिंघल ने कहा कि राज्य में औद्योगिक विकास के लिए सरकार द्वारा नई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। किंतु उद्योगों की लंबित समस्याओं के निराकरण के साथ इस प्रकार की समस्याएं उत्पन्न नहीं हों, इस पर भी विचार किया जाना चाहिए। कार्यक्रम में मानद महासचिव मनीष गलूंडिया, बीआईपी के अतिरिक्त आयुक्त वासुदेव मालावत, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त निदेशक आरके आमेरिया, खान एवं भू विज्ञान विभाग के निदेशक संदेश नायक ने भी विचार रखे।

पल्लव को आगीवाण सम्मान

उदयपुर। राजस्थानी भाषा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी बीकानेर की ओर से साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उदयपुर के पुरुषोत्तम पल्लव को आगीवाण सम्मान दिया गया। मुख्य अतिथि शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला ने उन्हें यह सम्मान बीकानेर में आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया। सम्मान के तहत प्रमाण पत्र एवं 31 हजार रुपए की राशि प्रदान की गई।

वृद्धाश्रम के 12 वर्ष पूर्ण

उदयपुर। तारा संस्थान की ओर से संचालित कृष्णा शर्मा आनंद वृद्धाश्रम में संस्थान के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष में कार्यक्रम हुआ। राजस्थान साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. दुलाराम सहारण ने बुजुर्गों से कहा कि अपने जीवन की कहानियां, किस्से हमें भेजें। उन्हें वे मासिक पत्रिका में प्रकाशित करेंगे, ताकि अन्य लोगों को ऊर्जा मिले। संस्थान की संस्थापक अध्यक्ष कल्पना गोयल, सचिव एवं कार्यकारी अधिकारी दीपेश मित्तल ने भी विचार रखे।

कटारिया को डायरेक्ट्री 'नवोदय' भेंट

उदयपुर। रोटरी डिस्ट्रिक्ट के पूर्व प्रांतपाल निर्मल सिंघवी एवं प्रांतपाल डॉ. निर्मल कुणावत के नेतृत्व में असम के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया को सर्किट हाउस में नव रोटरी डिस्ट्रिक्ट 3056 की प्रथम डायरेक्ट्री नवोदय प्रदान की गई। इस अवसर पर राज्यपाल कटारिया ने उपस्थित सभी रोटरी सदस्यों से परिचय किया एवं सेवा कार्यों में तेजी लाकर अंतिम छोर तक पहुंचने का आह्वान किया। डॉ. कुणावत ने रोटरी द्वारा प्रांत में किए जा रहे सेवा कार्यों से अवगत कराया। महासचिव दीपक सुखाड़िया, सुषमा कुमावत, मुकेश माधवानी सहित विभिन्न रोटरी क्लबों के अध्यक्ष व पदाधिकारी मौजूद थे।

होंडा की नई गाड़ी एलिवेट लॉच

उदयपुर। ऑटो कैम होंडा शोरूम पर होटल लेमन टी के महाप्रबंधक कमलसिंह ने होंडा की नई कॉम्पैक्ट एसयूवी एलिवेट की लॉचिंग की। शोरूम के महाप्रबंधक हेमेन्द्रसिंह पंवार ने बताया कि अब तक इस गाड़ी की 35 से अधिक बुकिंग हो चुकी है, जिनकी आगामी तीन माह में डिलीवरी दी जाएगी।

संवेदना/श्रद्धांजलि

उदयपुर। सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. लोकेश परतानी का 29 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। वे 55 वर्ष के थं। वे अपने पीछे शोक संतप्त माता-पिता श्रीमती भंवर देवी-नारायणजी, धर्मपत्नी श्रीमती डॉ. सीमा, पुत्र डॉ. कुशाग्र, पुत्री डॉ. पूर्वा व भाई-भतीजों का वृहद एवं संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री प्रदीप जी अग्रवाल पोटला वाला का 4 सितम्बर को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती ऋचा, माता श्रीमती कला देवी, पिता श्री रमेशचन्द्र जी, पुत्र रजत, पुत्री श्रीमती वर्षिका जैन व भाई-भतीजों का वृहद व संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री ब्रजमोहन जी शर्मा का 10 सितम्बर को देहावसान को गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती कुसुम शर्मा, पुत्र गुंजन, पुत्रियां सपना व भावना, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का विशाल परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती रतन देवी जी कोठारी (गोगुंदा वाला) का 14 अगस्त को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति श्री भंवरलाल कोठारी, पुत्र हरीश व डूंगरसिंह, पुत्रियां श्रीमती यशवंत व सरोज तथा दोहित्र व पौत्रियों का भरापूरा संसार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। शिक्षाविद् श्री कैलाश बिहारी जी वाजपेयी का 16 अगस्त को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोक विह्वल धर्मपत्नी श्रीमती लक्ष्मी, पुत्र आशुतोष, पुत्रियां श्रीमती वीणा, नीना व ज्योत्सना तथा भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री कृष्णकुमार जी शर्मा का 9 सितम्बर को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल धर्मपत्नी श्रीमती लीलावती, पुत्र महेश, दिनेश शर्मा, पुत्रियां मंजू देवी, सरोज देवी तथा भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्रीमती कमला देवी जी सियांल का 24 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पुत्र प्रकाशचन्द्र व हिम्मतसिंह, पुत्रियां श्रीमती हंसा बापना, वनिता हरकावत व विमला सिसोदिया तथा पौत्र-पौत्रियों व दोहित्र-दोहित्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। श्री सुनील जी भट्ट (कलाक्षेत्र) का 28 अगस्त को आकस्मिक निधन हो गया। वे 55 वर्ष के थे। कला के क्षेत्र में उनकी राष्ट्रव्यापी पहचान थी। वे अपने पीछे व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती सुनीता भट्ट, पुत्र साहिल व पुत्री साक्षी भट्ट सहित भाई-भतीजों का वृहद परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी एवं उद्यमी श्रीमती मोतीसिंह जी मारू का 27 अगस्त को मुम्बई में देहावसान हो गया। उनका अंतिम संस्कार स्थानीय अशोक नगर स्थित मोक्षधाम में किया गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पत्नी श्रीमती सरस्वती देवी, पुत्र मनोज, संजय व रवि मारू, पुत्री श्रीमती काजल मूथा, पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों व भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। श्री अनिल जी मेहता सुपुत्र स्व. संग्रामसिंह जी मेहता का 8 सितम्बर को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे शोक संतप्त धर्मपत्नी श्रीमती केसरदेवी, पुत्र हिमांशु, पुत्रियां श्वेता बाबेल, सुरभि लोढ़ा व पौत्र-पौत्रियों, दोहित्र-दोहित्रियों तथा भाई-भतीजों का संपन्न परिवार छोड़ गए हैं।

कैसा लगा यह अंक

प्रत्यूष

इस अंक में कौन सा आलेख आपको ज्यादा पसंद आया। आप किन विषयों पर आलेख पढ़ना ज्यादा पसंद करेंगे?
किस विषय पर आप हमें अपना मौलिक आलेख, शोध, कविता, कहानी भेजना चाहेंगे। कृपया हमें लिखें।
आपके रचनात्मक सुझावों का सदैव स्वागत होगा।

Virendra Singh
Shaktawat
Director

Happy Navratri

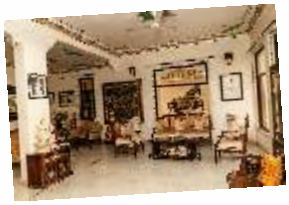

BOHEDA
PALACE

Mobile No.: +91 992 999 8881
Email: info@hotelbohedapalace.com
www.hotelbohedapalace.com
Kalaji Goraji, Near Lake Palace Road,
Udaipur - 313001 (Raj.)

Happy Navratri

Dulux

Dharmendra Mandot
Director

NAKODA
PAINTS & DECOR

THE TRUE COLOUR SHOP

100 Feet Road, Near SBI Bank, Opp. Ashoka Palace, Shobhagpura, Udaipur 313 004
Mob. : 98281 40456, E-mail : nakodapaints.udr@gmail.com

Mohammed Irfan Mansoori
Director
Mob.: 94141 63201

Mohammed Imran Mansoori
Director
Mob.: 99833 33388

NATIONAL STEEL MART

Authorised Distributer & Supplier

Deals in Hotelware, Cutlery, Crockery, Appliances

Prestige cello JAYPEE VINOD EUREKA FORBES
SUJATA PHILIPS BOROSIL CORELLE Panasonic
Ocean Hawkins MILTON Bharat IFB

Store 1: Near City Apartment, R.K. Circle, Udaipur (Raj.) Mob.: 7023414407
Store 2: NSM, Mali Colony, Opp Lakecity Garden, 100 ft Road, Udaipur (Raj.) Mob.: 9773319922
E-mail: nationalsteelmart@gmail.com

नगर विकास प्रन्यास, उदयपुर

राज्य सरकार का है यह सपना – सबका आवास हो अपना।

श्री शान्ति धारीवाल

नगरीय विकास, आवासन एवं स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान

प्रशासन शहरों के संग अभियान- 2021

अरविंद पोसवाल
जिला कलक्टर, उदयपुर

प्रशासन शहरों के संग अभियान, 2021 के अन्तर्गत अभियान अवधि में प्रदत्त रियायतें

- दिनांक 17-06-1999 से पूर्व की कॉलोनियों के भूखण्ड धारकों को पूर्व में जारी माँग पत्र पर ब्याज दर 15 प्रतिशत के स्थान पर 9 प्रतिशत की गई।
- बकाया लीज राशि एकमुश्त जमा कराने पर ब्याज में शत प्रतिशत छूट ।
- बकाया लीज राशि व अग्रिम 10 वर्ष व 8 वर्षों की एक मुश्त लीज राशि जमा कराने पर बकाया लीज पर 60 प्रतिशत की छूट ।
- सभी नियमों में ब्याज दर 15 प्रतिशत के स्थान पर 9 प्रतिशत की गई।
- भू-उपयोग परिवर्तन के निर्णय पश्चात् पुराना पट्टा (लीज डीड) समर्पण करा 10 वर्ष/2 वर्ष की लीज राशि लेकर नया फ्री-होल्ड पट्टा दिया जा रहा है।
- EWS/LIG/MIG-A के आवास व भूखण्डों के बकाया राशि व किश्तें एक मुश्त जमा कराने पर ब्याज व शास्ति में शत प्रतिशत छूट ।
- नगर विकास प्रन्यास से EWS एवं LIG श्रेणी में आवंटित आवास अथवा आप द्वारा EWS एवं LIG श्रेणी के क्रय किये गये आवास का लीज होल्ड से फ्री-होल्ड का पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। आप द्वारा क्रय किये गये आवास का नामांतरण भी अगर आप द्वारा करवा लिया गया है, तो राज्य सरकार द्वारा ऐसे आवास का भी चिरकालीन (फ्री होल्ड) पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है।

मेरे आवास का पट्टा मेरे नाम

(अपने आवास का लीज होल्ड से फ्री-होल्ड पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर)
(चिरकालीन फ्री-होल्ड पट्टा प्राप्त करें)

माननीय मुख्यमंत्री महोदय द्वारा बजट घोषणा 2022 – 23 में " प्रशासन शहरो के संग अभियान– 2021" की अवधि 30-09-2023 तक बढायी जा कर समस्त छूट / शिथिलताएँ / दरें एवं शक्तियां पूर्वानुसार रखते हुए आम जन को आवेदन व फ्री होल्ड पट्टो का लाभ लेने का सुअवसर प्रदान किया है।

- अभियान अन्तर्गत नगर विकास प्रन्यास से EWS एवं LIG श्रेणी में आवंटित आवास अथवा आप द्वारा EWS एवं LIG श्रेणी के क्रय किये गये आवास का लीज होल्ड से फ्री–होल्ड का पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है। आप द्वारा क्रय किये गये आवास का नामांतरण भी अगर आप द्वारा करवा लिया गया है, तो राज्य सरकार द्वारा ऐसे आवास का भी चिरकालीन (फ्री होल्ड) पट्टा प्राप्त करने का सुनहरा अवसर प्रदान किया जा रहा है।
- आपने एक मुश्त लीज जमा करा कर 99 वर्ष के लिए पट्टा जारी कराया है, तो अपने आवास का फ्री होल्ड (चिरकालीन) पट्टा आप मात्र दो वर्ष की लीज राशि और जमा करवा कर प्राप्त कर सकते है। फ्री–होल्ड पट्टे की अवधि कभी समाप्त नहीं होगी। फ्री–होल्ड पट्टे से आपकी आने वाली पीढ़ीयों को लीज राशि जमा करवाने से सदा के लिये मुक्ति मिल जायेगी।
- राज्य सरकार द्वारा बहुत ही कम लीज राशि में आपके आवास का फ्री–होल्ड पट्टा प्रदान किया जा रहा है।
- आवास के फ्री होल्ड पट्टे का पंजीकरण मात्र 500 रुपये में होगा।
- फ्री–होल्ड पट्टे हेतु कोई आवेदन शुल्क देय नहीं हैं।

सचिव
नगर विकास प्रन्यास

जिला कलक्टर एवं अध्यक्ष
नगर विकास प्रन्यास

Rajasthan State Mines and Minerals Limited, Udaipur, India

(A Premier PSU of Government of Rajasthan)

CIN U14109RJ1949SGC000505 GSTIN 08AAACR7857H1Z0

- India's only producer of SMS grade Limestone and also the largest producer of natural Gypsum and Rock Phosphate.
- Mining Operations: Rock Phosphate (Udaipur), Lignite (Nagaur & Barmer), Limestone (Jaisalmer) and Gypsum in western Rajasthan.
- Green Energy: 106.3 MW Wind Power Project at Jaisalmer & 5 MW Solar Power Plant near Gajner in Bikaner district.
- First PSU in India to earn foreign exchange by trading Carbon Credit in international market.
- RSPCL, a subsidiary of RSMML has been formed for development of Oil & Petroleum sector in Rajasthan.
- RSGL, a JV company with GAIL (India) Ltd. has been formed for developing City Gas Distribution network in Rajasthan.

CORPORATE OFFICE

4, Meera Marg, Udaipur - 313 004, Tel. : +91-294-2428763-67, Fax : +91-294-2428770, 2428739, e-mail: info.rsmml@rajasthan.gov.in

REGISTERED OFFICE

C-89/90, Janpath, Lal Kothi Scheme, Jaipur - 302 015, Tel. : 0141-2743734, Fax : 0141-2743735

Visit us at www. rsmm. com

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 21 अंक 6, Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2021-23 Posting Date: 27th-28th of Every Month RNI No. RAJHIN/2003/9297 Posting Office: Chetak Circle, Udaipur

'प्रत्यूष' पत्रिका डिलिवर्ड न होने की स्थिति में इस पते पर लौटाएं: पंकज कुमार शर्मा, 2, रक्षाबंधन, मेहतों का पाड़ा, धानमण्डी, उदयपुर (राज.) 313 001